दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला : रोहित शर्मा

6 भारत की नज़र में यह युद्ध का नहीं, शांति का समय

7 'एक चतुर नार' ट्रेलर के रिलीज डेट से दिव्या खोसला ने उठाया पर्दा

फर्स्ट टेक

पंजाब में आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने सोमवार को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुये प्रदेश के बटाला से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चार हथगोले, एक आरडीएक्स–आधारित परिष्कृत विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप ब्रिटेन स्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी निशान सिंह उर्फ निशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी, जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि चार एसपीएल एचजीआर–84 हथगोले और एक आरडीएक्स–आधारित परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) – जिसका वजन लगभग दो किलोग्राम है – बरामद किया गया है। प्रदेश पुलिस प्रमुख ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसकी पहचान पुरिया कला गांव के रविंदर पाल सिंह उर्फ रवि के रूप में हुई है ।

स्कूल भर्ती 'घोटाले' में तृणमूल विधायक गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में छापेमारी के दौरान नाटकीय घटनाक्रम के बाद तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस गिरफ्तारी को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि बुरवान के विधायक ने कथित तौर पर एक चारदीवारी फांदकर भागने की कोशिश की और उन्हें एक नजदीकी खेत से पकड़ लिया गया।

पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हित के खिलाफ : कांग्रेस

गुवाहाटी/भाषा। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि भारतीय टीम मौजूदा द्विपक्षीय स्थिति के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट मैचों में हिस्सा नहीं ले। गोगोई ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पार तनाव जारी है, ऐसे में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हित के खिलाफ है। भारत को 14 सितंबर को दुबई में एशिया कप के ग्रुप चरण के मैच में पाकिस्तान से खेलना है।

सूर्यास्त 26-08-2025 6:34 बजे | सूर्योदय 27-08-2025 6:08 बजे

BSE	NSE
81,635.91	24,967.75
(+329.05)	(+97.65)

सोना	चांदी
10,418 रु.	117,035 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

भारत, फिजी ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और फिजी ने सोमवार को रक्षा संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके फिजी के समकक्ष सितवेनी लिगामामादा राबुका के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने शांतिपूर्ण हिंद–प्रशांत के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने राबुका से वार्ता के बाद कहा कि भारत और फिजी भले ही दूर हों, लेकिन ''हमारी आकांक्षाएं समान हैं।''

दक्षिण प्रशांत के द्विपीय राष्ट्र फिजी के प्रधानमंत्री राबुका रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। उनका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ फिजी के संबंधों को मजबूत करना है।

समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में फिजी भारत के लिए अहम राष्ट्र है। प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ बढ़ाने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में, भारत फिजी के साथ अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

मोदी और राबुका के बीच वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने दवा, कौशल विकास, व्यापार और क्षमता निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के लिए सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा, ''हमने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अपने सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया है। इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। भारत, फिजी की समुद्री सुरक्षा में सुधार के लिए प्रशिक्षण और उपकरणों में सहयोग प्रदान करेगा।'' उन्होंने कहा, ''हम साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण में अपना अनुभव साझा करने के लिए भी तैयार हैं।''

मोदी ने कहा कि भारत और फिजी के संबंध ''विश्वास और सम्मान'' पर आधारित हैं।

किसानों, लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं करेंगे : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की शुरुआत से दो दिन पहले सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, ''हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन कर लेंगे।

मोदी ने बिना किसी का नाम लिए जोर देकर कहा कि दुनिया में राजनीति अब मुख्यतः आर्थिक हितों के इर्द–गिर्द घूमती है, जहां हर कोई सिर्फ अपने बारे में ही सोचता है।

स्वदेशी पर जोर

उन्होंने स्वदेशी पर जोर दिया और महात्मा गांधी का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसे में, मैं छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों से कहना चाहता हूं कि मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है। मेरी सरकार आपके हितों से कभी समझौता नहीं करेगी। चाहे कितना भी दबाव आए, हम उसे सहन करेंगे। लेकिन आपके हितों को कभी नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा।

दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे मोदी अहमदाबाद शहर के निकोल क्षेत्र में दो किलोमीटर लंबा रोड शो और कई परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत शक्ति व सुरक्षा के प्रतीक सुदर्शन चक्रधारी मोहन भगवान श्रीकृष्ण और चरखाधारी मोहन महात्मा गांधी के मार्ग पर चलकर सशक्त हो रहा है। महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे और उन्होंने चरखे से स्वदेशी का प्रचार किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया के रूप में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकिस्तान का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर हमारे सैनिकों की वीरता व सुदर्शन चक्रधारी मोहन के भारत के दृढ़ संकल्प का प्रतीक था।

मोदी ने कहा, आज, हम आतंकवादियों और उनके आकाओं को नहीं छोड़ते, चाहे वे कहीं भी छिपे हों।

कांग्रेस पर निशाना साधा

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि 60–65 साल तक भारत पर राज करने वाली इस पार्टी ने 'आयात घोटाले' करने के लिए देश को दूसरे देशों पर निर्भर बना दिया।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर महात्मा गांधी के मूल सिद्धांतों को त्यागने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, जिस पार्टी ने बापू के नाम पर दशकों तक सत्ता का आनंद लिया, उसने उनकी आत्मा को कुचल दिया। उसने (कांग्रेस ने) बापू के स्वदेशी मंत्र का क्या किया? जो लोग दिन भर गांधी का नाम लेते हैं, उनके मुंह से आपने एक बार भी स्वच्छता या स्वदेशी जैसे शब्द नहीं सुने होंगे।

मानवीय आधार पर तवी नदी में

बाढ़ की चेतावनी के बारे में भारत ने पाकिस्तान को सचेत किया

नई दिल्ली/इस्लामाबाद/भाषा। भारत ने मानवीय आधार पर तवी नदी में बाढ़ की चेतावनी के बारे में पाकिस्तान को सचेत किया है जबकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) अब भी स्थगित है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भी कहा है कि भारत ने संभावित सैलाब को लेकर उसे आगाह किया है और यह चेतावनी राजनयिक माध्यम से दी गई है और सिंधु जल आयोग के जरिए नहीं दी गई है।

भारतीय जल शक्ति मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यह इस आशय का पत्र विदेश मंत्रालय को भेजा गया, जिसने फिर इस्लामाबाद से संपर्क किया। एक सूत्र ने कहा, हालांकि संधि के निलंबन से पहले भारत पाकिस्तान के साथ डेटा का आदान–प्रदान करता था, लेकिन यह कदम पूरी तरह से मानवीय आधार पर उठाया गया है।

तवी नदी हिमालय से निकलती है और जम्मू संभाग से होती हुई पाकिस्तान में चेनाब नदी में मिलती है।

मोदी सरकार वोट चोरी करके सत्ता में आई, उसे युवाओं की चिंता नहीं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग की सोमवार को निंदा करते हुए इसे शर्मनाक करार दिया और आरोप लगाया कि मोदी सरकार को देश के युवाओं की चिंता नहीं है क्योंकि वह वोट चुराकर सत्ता में आई है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कथित बल प्रयोग की निंदा की और दावा किया कि देश के युवाओं का भविष्य चोरी करना मोदी सरकार की आदत बन चुकी है।

परीक्षा के बेहतर संचालन की मांग को लेकर एसएससी के छात्रों और शिक्षकों ने रविवार को रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज करने के विपक्षी दलों के दावों का खंडन किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे एसएससी अभ्यर्थियों और शिक्षकों पर बर्बर लाठीचार्ज शर्मनाक ही नहीं, बल्कि एक डरपोक सरकार की पहचान है। उन्होंने कहा, युवाओं ने सिर्फ़ अपना हक़ मांगा था – रोज़गार और न्याय। मिली क्या? लाठियां।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, साफ़ है कि मोदी सरकार को न देश के युवाओं की चिंता है, न उनके भविष्य की। हो भी क्यों? यह सरकार जनता के वोटों से नहीं, बल्कि वोट चुराकर सत्ता में आई है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया, पहले वोट चुराएंगे, फिर परीक्षा चुराएंगे, फिर नौकरियां चुराएंगे, फिर आपका हक़ और आवाज़ – दोनों कुचल देंगे।

राहुल गांधी ने कहा, युवाओं, किसानों, गरीबों, बहुजनों और अल्पसंख्यकों, आपका वोट इन्हें चाहिए ही नहीं, इसलिए आपकी मांगें कभी इनकी प्राथमिकता नहीं होंगी। अब वक्त है – डरने का नहीं, डटकर मुकाबला करने का।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के युवाओं का भविष्य चोरी करना मोदी सरकार की आदत बन चुकी है। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसएससी परीक्षाओं में धांधली के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर मोदी सरकार की कठपुतली पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज घोर निंदनीय है।

गगनयान मिशन :

इसरो ने श्रीहरिकोटा के निकट आईएडीटी-01 का सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा के निकट रविवार को इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी–01) का सफल परीक्षण किया जो गगनयान कार्यक्रम के लिए पैराशूट–आधारित मंदन प्रणाली की प्रणाली–स्तरीय योग्यता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसरो ने कहा कि ''श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) में किए गए इस परीक्षण में एक विशिष्ट मिशन परिदृश्य में गगनयान मिशन के लिए क्रू मॉड्यूल की महत्वपूर्ण पैराशूट–आधारित मंदन प्रणाली को सफलतापूर्वक दर्शाया गया।''

इसरो ने इस परीक्षण को पैराशूट–आधारित मंदन प्रणाली का 'प्रणाली–स्तरीय मूल्यांकन' का हिस्सा बताया, जिसमें मंदन प्रणाली को शामिल करते हुए एक कृत्रिम क्रू मॉड्यूल (सीएम) को एक हेलीकॉप्टर का उपयोग करके उतारा जाता है। इसके उद्देश्य की व्याख्या करते हुए इसरो ने रविवार देर रात जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''गगनयान मिशनों में क्रू मॉड्यूल के उतरने के क्रम में अंतिम चरण के दौरान पैराशूट–आधारित मंदन प्रणाली का उपयोग किया जाता है ताकि समुद्र में सुरक्षित रूप से उतरने के लिए टचडाउन' वेग को स्वीकार्य सीमा तक कम किया जा सके।'' जिस पैराशूट प्रणाली का परीक्षण किया गया वह गगनयान मिशनों के ''समान'' थी और इसमें 10 पैराशूट शामिल थे – दो एपेक्स कवर सेपरेशन (एसीएस), दो ड्रोग, तीन पायलट और तीन मुख्य कैनोपी।

इसरो ने कहा कि ''इसरो केंद्रों के अलावा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल सहित अन्य सरकारी एजेंसियों ने भी इस बड़े परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने में योगदान दिया।'' आने वाले दिनों में इसी तरह के अन्य परीक्षण करने की योजना है।

विदाई की बेला : भारतीय वायुसेना के सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमान मिग-21 ने नाल में अंतिम उड़ान भरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर/भाषा। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ रहे मिग–21 लड़ाकू विमानों ने बीकानेर के नाल स्थित वायुसैनिक अड्डे पर अपनी अंतिम उड़ान भरी। इन विमानों को 26 सितंबर को चंडीगढ़ में आयोजित औपचारिक सेवानिवृत्ति समारोह में अंतिम विदाई दी जाएगी।

मिग–21 की प्रतीकात्मक विदाई की बेला पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने 18–19 अगस्त को नाल से मिग–21 में एकल उड़ान भरी। यह 62 वर्षों तक वायुसेना की सेवा करने वाले रूसी मूल के लड़ाकू विमान पर प्रशिक्षित पायलट की की कई पीढ़ियों के लिए एक भावुक क्षण था।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने अपनी उड़ान के बाद 'पीटीआई–भाषा' से कहा,''मिग–21 वर्ष 1960 के दशक में अपनी शुरुआत से ही भारतीय वायुसेना का सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमान रहा है और हम अब भी इसे इस्तेमाल कर रहे हैं। यह इतिहास में सबसे अधिक, बड़े पैमाने पर निर्मित किए गए सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों में से एक है, जिसके 11,000 से ज्यादा विमान 60 से अधिक देशों में इस्तेमाल किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा,''मिग–21 के साथ मेरा पहला अनुभव 1985 में रहा जब मैंने तेजपुर में इसका टाइप–77 संस्करण उड़ाया। यह एक अद्भुत अनुभव था। यह फुर्तीला, अत्यधिक गतिशील और डिजाइन में सरल था, हालांकि इसके लिए कुछ शुरुआती प्रशिक्षण की आवश्यकता थी। यह उड़ाने के लिए अद्भुत विमान है और इसे उड़ाने वाले सभी लोग इसको याद करेंगे।

'इंटरसेप्टर' के रूप में मिग–21 के शानदार काम का उल्लेख करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा, इसे 'इंटरसेप्ट' करने के लिए बनाया गया था और इस भूमिका में इसने भारत की उल्लेखनीय सेवा की। लेकिन हर चीज का समय और स्थान होता है। तकनीक अब पुरानी हो चुकी है और उसका रखरखाव मुश्किल है। अब समय आ गया है कि तेजस, राफेल और सुखोई–30 जैसे नए मंच की ओर बढ़ा जाए। उन्होंने कहा,तेजस को वास्तव में मिग–21 के प्रतिस्थापन के रूप में डिजाइन किया गया था। इसलिए यह छोटा विमान है। इसे मिग–21 के इर्द–गिर्द डिजाइन किया गया था और इसकी कल्पना मिराज से प्रेरित होकर की गई थी। सिंह ने कहा,''यह मिग–21 की जगह तो ले लेगा, लेकिन इसे और विकसित करना होगा। हमें तेजस के लिए नए हथियारों के बारे में भी सोचना होगा। शुरुआती प्रशिक्षण भूमिका में, मुझे लगता है कि तेजस बहुत अच्छी तरह से फिट हो सकता है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, 83 विमानों के अनुबंध पर पहले ही हस्ताक्षर हो चुके हैं, मुझे उम्मीद है कि तेजस अपने विभिन्न संस्करणों में धीरे–धीरे बेड़े की भूमिका संभालेगा।

- मिग-21 इतिहास में सबसे अधिक, बड़े पैमाने पर निर्मित किए गए सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों में से एक है।
- मिग-21 'इंटरसेप्ट' करने के लिए बनाया गया था और इस भूमिका में इसने भारत की उल्लेखनीय सेवा की।

भारत का उच्च शक्ति वाला नया लेजर अस्त्र एक 'महत्वपूर्ण प्रगति' है : चीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। एकीकृत वायु रक्षा अस्त्र प्रणाली (आईएडीडब्ल्यूएस) के भारत के सफल परीक्षण, विशेष रूप से उच्च शक्ति वाले लेजर आधारित लक्षित ऊर्जा अस्त्र (डीईडब्ल्यू) की एक चीनी सैन्य विशेषज्ञ ने प्रशंसा की है और कहा है कि इसे एक ''महत्वपूर्ण प्रगति'' माना जाना चाहिए।

बीजिंग आधारित एयरोस्पेस नॉलेज पत्रिका के मुख्य संपादक वांग यानान ने चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स से कहा कि भारतीय आईएडीडब्ल्यूएस एक वायु रक्षा प्रणाली है, जिसे ड्रोन, क्रूज मिसाइलों, हेलीकॉप्टरों और कम ऊंचाई वाले विमानों जैसे निम्न और मध्य ऊंचाई वाले लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। वांग ने कहा, ''आईएडब्ल्यूएस के तीन स्तरों में से, वाहन–आधारित वायु रक्षा मिसाइल क्यूआरएसएएम और एकल व्यक्ति संचालित वायु रक्षा प्रणाली वीएसएचओआरएडीएस प्रौद्योगिकीय रूप से नवीन नहीं हैं, लेकिन लेजर प्रणाली को वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रगति माना जाना चाहिए।'' वांग ने कहा, ''दुनिया में केवल कुछ ही देश हैं, जिन्होंने युद्ध के लिए तैयार लेजर प्रणालियां तैनात की हैं।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंदी भाषा

इतनी भी नाराजी क्यों हैं,
सत्ता तो आनी–जानी।
ऐसी भाषा बोल रहे क्यों,
जैसे हो दुश्मन जानी।
बोलो कब ठहरा है अब तक,
बहती नदिया का पानी।
लोकतंत्र में नहीं चलेगी,
कभी किसी की मनमानी।।

दुख स्वयंकृत है, परकृत नहीं : साध्वी सोमयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में मेवाड़ भवन में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के छठवां दिन जप दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर साध्वीश्री सोमयशाजी ने कुमारपाल राजा के पर्युषण के प्रभाव को व्याख्यायित किया। भगवान महावीर के 23 वें भव के प्रेरणादायक वृतांत को बताते हुए कहा कि कृत कर्म को भोगना ही पड़ता है। साध्वी डॉ सरलयशाजी ने श्रावकों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवती सूत्र में बताया गया है कि दुख स्वयंकृत है, परकृत नहीं। धर्म हमारी दृष्टि को बदलता है। आध्यात्म साधना से दुख से परे हो सकते हैं। अष्ट प्रहरी पौषध करने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री ऋषिप्रभाजी ने जप दिवस पर कहा कि जैन धर्म मे कई विशिष्ट आचार्य हुए हैं जिन्हें कई मंत्र सिद्ध थे। जैन साधना पद्धति का मेरुदंड है। समता की साधना जिसकी प्राप्ति जप से होती है। साध्वीश्री ने जप की सही विधि, लाभ के बारे में बताया। ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं द्वारा जप गीत का गान किया। महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर अच्छी संख्या मे श्रावक समाज की उपस्थिति थी।

खुद पर नियंत्रण होने के बाद ही आती है भावना में भक्ति : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने अंतगढ़ दशांग सूत्र के माध्यम से कहा कि महापुरुषों का जीवन सीखने और आत्मसार करने वाला होता है। जो अच्छे संस्कारी नहीं होते हैं वही बुरे कार्य करते हैं। जब तक नदी शांत रहती है तब तब सब सही होता है। जब नदी अपना विकराल रूप दिखाती है तो विनाश होता है। इसी तरह बचपन होता है। बचपन में संस्कार देना बहुत जरूरी होता है। बचपन से ही बच्चों को नियंत्रित रखना चाहिए। जहां संस्कारी बच्चे होते हैं, वह परिवार कभी नहीं टूटता है। जो कार्य जिस समय करना है उसे उसी समय करना चाहिए। एक बार समय निकल जाने के बाद मामला गड़बड़ हो जाता है। समय पर किया गया हर कार्य मनुष्य को अच्छा फल देता हैं। लेकिन समय निकलने के बाद उस काम का कोई महत्व नहीं होता हैं। ङ्गसंतश्री ने कहा कि शुरुआत में अगर किसी चीज पर नियंत्रण हो जाए तो ठीक वरना नियंत्रण करना बहुत मुश्किल हो जाता है। मनुष्य को अपने बच्चों को झुकना सिखाना चाहिए। गुमान करने के बजाय मनुष्य को झुकना चाहिए। साधु, साधक या कोई भी हो उसे खुद पर नियंत्रण रखना चाहिए। अगर नियंत्रण नहीं हुआ तो जीवन व्यर्थ हो जाएगा। साधु भी अगर खाओ खाओ करता है तो उसका जीवन भी बेकार है। साधु जीवन बहुत ही सरल होना चाहिए। साधु संतों को भी हर चीज में नियंत्रण करना चाहिए। भावना में भक्ति, साधना में शक्ति तब आती है जब मनुष्य खुद पर नियंत्रण करता है। सोमवार को 12 वर्षीय अर्हम बाफना सहित अनेक तपस्वियों ने संतश्री के मुखारबिंद से प्रत्याख्यान ग्रहण किए। सभी का स्वागत संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया । संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

जय रामदेव बाबा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मेघवाल समाज ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा राजगोपालनगर स्थित बीआरएस कन्वेंशन हॉल में आचार्य ओम महाराज सोजत के सान्निध्य में 'एक शाम बाबा रामदेव जी' के नाम सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भजन कलाकार महेंद्र चोयल, चेतन प्रजापत एवं आरजे रामसा ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल जाम, उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बारूपाल, सचिव धाराराम हरसालिया, कोषाध्यक्ष कैलाशचन्द बोस, महासचिव प्रकाश ओडाणा, प्रकाश जाम एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

जाप करने से पाप का नाश होता है : मुनि पुलकित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्यकुमारजी के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व का छठा दिवस जाप दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने मंत्र जाप का महत्व बताते हुए कहा कि जाप करने से पाप का नाश होता है। मंत्र जाप से श्रद्धा बढ़ती है और अनेक विघ्नों का निवारण भी होता है।

मुनिश्री ने आगे कहा कि मंत्र चाहे छोटा हो या बड़ा, वह महत्वपूर्ण नहीं होता, उसके साथ तन्मयता कितनी जुड़ती है यह महत्वपूर्ण है। जाप से जीवन को मंगल मय बनाया जा सकता है।

मुनि आदित्य कुमार ने जाप दिवस पर गीतिका प्रस्तुत करते हुए विचार व्यक्त किया। सोमवार को पिंकी नरेंद्र चोपड़ा ने मुनिश्री से 30 दिवसीय मासखमण का प्रत्याख्यान लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ। ङ्गतेरापंथ जैन संस्कारक मंडली द्वारा मंगलाचरण गीत प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में विभिन्न तपस्वियों ने आठ की तपस्या का प्रत्याख्यान लिए।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने मासखमण तप अभिनंदन के बारे में जानकारी दी। राजेंद्र बैद ने गतिमान अखंड जाप के क्षेत्रों की बारी की जानकारी दी। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने संचालन करते हुए संवत्सरी महापर्व की जानकारी दी।

अर्हताओं को जगाने का माध्यम मंत्र साधना : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में पर्युषण का छठा दिन जप दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री ने अपने मंगल उद्बोधन में भगवान महावीर की भव श्रृंखला पर प्रकाश डालते हुए 22 व 23वें भव में मानव भव के गुणों को उजागर किया। इसके साथ मंत्रों की साधना की पद्धति बताई। उन्होंने कहा कि जप के माध्यम से मन को एकाग्र किया जाता है, मंत्रों के साथ जब शब्द जुड़ते हैं तो उनकी शक्ति बढ़ जाती है।

शब्दों का हमारे मन, शरीर, आत्मा, भावों पर प्रभाव पड़ता है। मंत्रों के माध्यम से हमारा कार्मण शरीर प्रभावित होता है। खं शब्द के प्रयोग से आकाश तत्त्व की वृद्धि होती है। आकाश तत्त्व की वृद्धि से द्वेष के परिणाम नष्ट होते हैं, बं शब्द के द्वारा मधुमेह, जोड़ों के दर्द, गैस एवं अनेक समस्याओं का समाधान प्राप्त किया जा सकता है। साध्वी बोधिप्रभा जी ने कहा कि मंत्रों के प्रयोग में श्रद्धा, आस्था, विश्वास के साथ में जप किया जाता है तो उसका परिणाम अनूठा होता है। साथ ही मंत्रों के उच्चारण के साथ शुद्धि का ध्यान रखना चाहिए। साध्वी वर्धमानयशा जी ने जप दिवस पर गीत को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मंगलाचरण विजय मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु बोथरा व अन्य संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं काफी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति थी। तेयुप के उपाध्यक्ष विपुल पितलिया ने आगे के कार्यकम की विस्तृत जानकारी दी।

सुधरने का सभी को मौका मिलना चाहिए : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के अवसर पर साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि सुधरने का सभी को मौका मिलना चाहिए। पापी से पापी व्यक्ति में भी मुक्ति पाने की योग्यता होती है।

जब तक हम संसार में हैं, तब तक कोई न कोई पाप सभी से होता है। किसी छूट का हमें दुरुपयोग नहीं करना चाहिए और अन्याय हो तो सशक्त प्रतिकार भी करना चाहिए।अंतगड दशा सूत्र का विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि अर्जुन माली एक हत्यारा था। सुदर्शन श्रावक सहयोग मिलने पर भगवान महावीर से मिलना हुआ और जीवन में ऐसा परिवर्तन आया कि उसी भव में मुक्ति हो गई। विवेक विषय पर प्रवचन करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि विवेक जीवन शैली का सूत्र होना चाहिए। धर्म स्थान पर आते वक्त वस्त्र मर्यादा अति आवश्यक है। धर्म स्थान में हमारा प्रवेश भी ऐसा हो कि किसी को बाधा नहीं हो। हम वहां पर दोष देखने नहीं बल्कि कुछ सीखने जाएं। हमारा खाना, बोलना, सोना, उठना, चलना भी विवेक पूर्ण होना चाहिए। अपने घर में भी प्रत्येक कार्य में विवेक रखें। कई बार अविवेक से आकस्मिक दुर्घटना हो जाती है। जेपीपी महिला फाउंडेशन एवं नवकार बहु मंडल ने आगम अपनी विरासत विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने आगम वाचन किया। रिद्धिप्रभा जी ने गीत प्रस्तुत किया। प्रवचन सभा में 45 तपस्वियों ने तप प्रत्याख्यान लिए। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। सभा का संचालन मंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया ।

गणपति मूर्ति — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अग्रवाल महिला मंडल द्वारा जयनगर स्थित अग्रसेन भवन में गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, उपाध्यक्ष मीरा अग्रवाल, सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल, सहसचिव राखी गोयल और पूरी टीम की उपस्थिति में बच्चों और अन्य सदस्यों ने मिट्टी द्वारा अपने हाथों से सुंदर गणपति प्रतिमाएँ बनाईं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल गणेश उत्सव को बढ़ावा देना। अनेक परिवारों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया और गणपति बप्पा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। रीमा सिंघल ने व्यवस्था संभाली।

फिच रेटिंग्स ने भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबीबी-' पर रखा बरकरार

नई दिल्ली/भाषा। फिच रेटिंग्स ने भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ सोमवार को 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वृद्धि दर में मजबूती एवं राजकोषीय विश्वसनीयता में सुधार से संरचनात्मक मानकों में सुधार आएगा।

फिच ने कहा, भारत की साख को उसकी मजबूत वृद्धि और ठोस बाह्य वित्त का समर्थन प्राप्त है।

एजेंसी ने वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के समान है और 2.5 प्रतिशत के 'बीबीबी' औसत से काफी ऊपर है।

इसने कहा कि भारत का आर्थिक परिदृश्य समकक्ष देशों की तुलना में मजबूत बना हुआ है, हालांकि पिछले दो वर्ष में इसकी गति धीमी हुई है।

फिच ने कहा, यदि प्रस्तावित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार अपनाए जाते हैं, तो इससे उपभोग को बढ़ावा मिलेगा तथा वृद्धि संबंधी कुछ जोखिम कम हो जाएंगे।

पंजाब में 55 लाख लोगों का मुफ्त राशन बंद कराने की साज़िश कर रहा केंद्रः मुख्यमंत्री मान का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर राज्य के 55 लाख लोगों का मुफ्त राशन बंद करने की साज़िश रचने का आरोप लगाया और कहा कि वह लोगों का हक नहीं छिनने देंगे।

मुख्यमंत्री ने पंजाब की जनता को संबोधित एक लिखित संदेश में दावा किया कि केंद्र सरकार ने आदेश जारी किया है कि राज्य के 55 लाख लोगों को मिलने वाला मुफ्त राशन बंद कर दिया जाएगा। यह बीते एक सप्ताह में दूसरी बार है जब मुख्यमंत्री मान ने केंद्र पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दिया जाने वाला लोगों का राशन बंद करने का आरोप लगाया है। हालांकि, केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि पंजाब सरकार झूठ फैलाने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री मान ने सोमवार को फिर आरोप लगाया, भाजपा सरकार ने फैसला किया है कि पंजाब के 55 लाख लोगों का राशन बंद कर दिया जाएगा। आपका नाम भी उस सूची में है। अब तक राज्य में 1.53 करोड़ लोगों को राशन मिल रहा था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसमें से 55 लाख लोगों की सुविधा समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, हर तीन में से एक गरीब परिवार को राशन से वंचित किया जा रहा है। यह केवल एक सरकारी निर्णय नहीं है, यह गरीबों, मज़दूरों, किसानों और आम परिवारों की थाली पर सीधा हमला है। मान ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने जुलाई से अब तक 23 लाख गरीब लोगों का राशन यह कहकर बंद कर दिया है कि उन्होंने ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं की।

हर क्षण शुभ कर्मों का ही उपार्जन करना चाहिए : साध्वी धैर्याश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन में पर्युषण पर्व के प्रवचन में कहा कि कर्म का प्रभाव हर जीव में होता है, प्रभाव पड़ता है। जीव को सुख - दुख, पाप और पुण्य का फल मिलता है। जिस प्रकार के कर्मों का बंधन होगा, उसका फल अवश्य प्राप्त होगा। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। कर्मों के बधन से जीव 84 लाख जीव योनी में भव भमण कर गोते लगाते रहता है, इसलिए हर साधक को हर क्षण शुभ कमों का ही उपार्जन करना चाहिए । कर्मों की विचित्रता को ध्यान में रखकर शुभ कर्म ही करना चाहिए। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जीवन भी एक परीक्षा है।

परीक्षा में कर्म अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अल्पकालीन समय में जीवन जीने की कला को आत्मसात करना है।ङ्गसभा में बालिकाओं ने आधुनिक युग में गेजेट्स के अधिकाधिक प्रयोग से होने वाले नुकसान को दर्शाती प्रेरक नाटिका की प्रस्तुति दी। इस नाटक में यह दर्शाया गया कि आज के दौर में मोबाइल फोन एक तरह का नशा हो गया है। सोशल मीडिया के सीमा रहित उपयोग ने हानिकारक रूप ले लिया है और मनुष्य का सुख चैन छीन लिया है। प्रवचन सभा में ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेशचंद छल्लाणी, किशोर मुथा आदि उपस्थित थे। बाबूलाल बाफना ने 26 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए।

जैन समाज व श्रीक्षेत्र के विरुद्ध दुर्भावनापूर्ण प्रचार बंद हो, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो के एक प्रतिनिधि मंडल ने केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना के नेतृत्व में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत से मुलाकात कर जैन समुदाय, श्री क्षेत्र धर्मस्थल एवं डा. वीरेंद्र हेगड़े को निशाना बनाकर किए जा रहे दुर्भावनापूर्ण प्रचार के विरुद्ध कार्रवाई करवाने का अनुरोध किया। बाफना ने राज्यपाल से कहा कि अल्पसंख्यक जैन समुदाय एवं डा. वीरेंद्र हेगड़े को प्रभावित करने वाले एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। श्री क्षेत्र धर्मस्थल एवं हेगड़े दोनों के प्रति जैन समाज के राज्यभर के लाखों अनुयायियों की आस्था जुड़ी है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल जीतो बेंगलूरु नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, जीतो साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी एवं अल्पसंख्यक प्रभारी इंदर नाहर, जीतो केकेजी जोन के अल्पसंख्यक एवं मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा, चंपालाल भंडारी आदि शामिल थे।ङ्गजीतो पदाधिकारियों के साथ प्रतिनिधि मंडल में शामिल चम्पालाल भंडारी ने दिगंबर जैन समाज, अशोक शेट्टी ने खण्डेलवाल दिगम्बर समाज, सिद्धार्थ जैन ने कर्नाटक श्वेताम्बर जैन फोरम का ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा।

उपराष्ट्रपति चुनावः किसी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया, राधाकृष्णन और रेड्डी के बीच मुकाबला तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए दोनों उम्मीदवारों में से किसी के भी नाम वापस न लेने के कारण सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन और विपक्ष के प्रत्याशी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच नौ सितंबर को होने वाले चुनाव में सीधा मुकाबला होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इस बार के उपराष्ट्रपति चुनाव को ''दक्षिण बनाम दक्षिण'' की लड़ाई बताया जा रहा है, क्योंकि दोनों ही दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं, जबकि रेड्डी तेलंगाना से। चुनाव में नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख (25 अगस्त) के बाद सुदर्शन रेड्डी और सी पी राधाकृष्णन अब मैदान में हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा महासचिव पी सी मोदी ने एक बयान में कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव, 2025 के लिए मतदान मंगलवार, नौ सितंबर, 2025 को कमरा संख्या एफ-101, वसुधा, संसद भवन, नई दिल्ली में होगा।

आगामी नौ सितंबर को मतदान सुबह 10 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। राज्यसभा सचिवालय के बयान में कहा गया है, भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी निर्वाचक मंडल में शामिल होने के पात्र हैं और इसलिए वे चुनाव में भाग लेने के हकदार हैं। इसमें यह भी कहा गया है, संसद भवन में मतदान की व्यवस्था 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी द्वारा की जा रही है। मतदान के संपन्न होने के बाद उसी दिन शाम छह बजे मतगणना आरंभ होगी और रात तक नतीजे घोषित होने की संभावना है। राज्यसभा महासचिव के एक बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया 7 अगस्त को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो चुकी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर, चामराजपेट में रविवार को महावीर जन्म वाचन के उपलक्ष्य में कर्नाटक रक्षणा वेदिके के राज्य अध्यक्ष शिवरामे गौड़ा शामिल हुए। इस मौके पर गौड़ा ने जैन समाज के कार्यों की सराहना करते हुए भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कन्नड़ भाषा, साहित्य और इतिहास में जैन धर्म का योगदान अविस्मरणीय है। अशोक जैन व अश्विन मुथा ने मंदिर संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर चातुर्मास पर्व के पाँचवें दिन गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी के शिष्यरत्न अभ्युदयप्रभविजयजी के आशीर्वाद प्राप्त किया। संघ की ओर से उनका सम्मान किया गया।

भारत, जापान ने ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग मजबूत बनाने पर जतायी सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान ने मंत्रिस्तरीय वार्ता में ऊर्जा क्षेत्र में जैव ईंधन, हरित रसायन, कार्बन कैप्चर और आधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है।

बिजली मंत्री मनोहर लाल और जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री मुतो योजी की सह-अध्यक्षता में सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारत-जापान मंत्रिस्तरीय ऊर्जा वार्ता आयोजित की गई। बिजली मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि दोनों देश जापान-भारत स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के तहत ऊर्जा क्षेत्र में अपनी साझेदारी को प्रगाढ़ बना रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा बदलाव और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटना है। दोनों पक्षों ने भारत-जापान ऊर्जा वार्ता और क्षेत्रवार संयुक्त कार्य समूहों (जेडब्ल्यूजी) के माध्यम से इस सहयोग को संस्थागत रूप दिया है। बिजली, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, तेल और कोयला मंत्रालयों ने अपने-अपने संयुक्त कार्य समूहों के तहत हुई प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी और भविष्य के सहयोग के मार्गों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

एससी एसटी के लोगों पर अत्याचारों की त्वरित सुनवाई हो : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को बेंगलूरु में विधानसभा के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय जागरूकता एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने की।

बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों पर अत्याचार के मामलों में 60 दिनों के भीतर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, और पिछले छह महीनों में केवल 84 प्रतिशत मामलों में ही निर्धारित अवधि के भीतर आरोप पत्र प्रस्तुत किया जा सका है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत मामलों में 60 दिनों के भीतर आरोप पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य बनाने के लिए कार्रवाई की जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस को इसमें कोई बहाना नहीं बनाना चाहिए। अदालत में 56 मामले लंबित हैं और मुख्यमंत्री ने इनके निपटारे के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अत्याचारों की त्वरित सुनवाई के लिए राज्य में 11 विशेष अदालतें स्थापित की गई हैं। मामलों की उचित सुनवाई और त्वरित न्याय दिलाने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। वर्तमान में सजा की दर 10 प्रतिशत है और इसे बढ़ाया जाना चाहिए। यदि यह पाया जाता है कि पुलिस आरोपियों के साथ मिली हुई है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अत्याचारों में विकलांगता की स्थिति में दी जाने वाली चिकित्सा क्षतिपूर्ति राशि बढ़ाने के संबंध में समीक्षा की जाएगी।

कन्नड़ अभिनेता दिनेश मंगलूरु का निधन

उडुप्पी। प्रसिद्ध कन्नड़ अभिनेता और कला निर्देशक दिनेश मंगलूरु का सोमवार को यहां उनके आवास पर लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 55 वर्ष के थे। यह जानकारी उनके परिवार के सदस्यों ने दी। मूल रूप से मंगलूरु के रहने वाले दिनेश ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत कला निर्देशक के रूप में की थी और कई प्रमुख कन्नड़ फिल्मों में काम किया था। बाद में उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा और एक कुशल चरित्र अभिनेता के रूप में पहचान बनाई। परिजनों के अनुसार, वह पिछले कुछ समय से बीमार थे और उपचार करा रहे थे। हाल ही में उनकी हालत बिगड़ गई थी। एक निपुण कला निर्देशक के रूप में लोकप्रिय दिनेश ने अभिनय में भी गहरी छाप छोड़ी। उन्हें फिल्म 'आ दिनगलु' में सीताराम शेट्टी की भूमिका के बाद पहचान मिली, जिसके बाद उन्होंने 'केजीएफ' में बॉम्बे डॉन की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल की। अपने करियर में उन्होंने 'इंथि निन्ना प्रीतिया', 'रिक्की', 'हरिकथे अल्ला गिरीकथे' और 'स्लम बाला' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उनके निधन की खबर से कन्नड़ फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है। सहकर्मियों और शुभचिंतकों ने उन्हें एक समर्पित कलाकार, विनम्र व्यक्तित्व और कला निर्देशन व अभिनय के बीच सेतु के रूप में याद किया।

शिवकुमार सदन में आरएसएस की प्रार्थना गाने के लिए माफी मांगें : बी के हरिप्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। विधान परिषद के कांग्रेस सदस्य (एमएलसी) बी के हरिप्रसाद ने सोमवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से विधानसभा में आरएसएस की प्रार्थना गाने के लिए माफी की मांग करते हुए सवाल किया कि वह किसे खुश करने की कोशिश कर रहे हैं? हालांकि, राज्य के मंत्री महादेवप्पा ने उप मुख्यमंत्री का बचाव करते हुए कहा कि ''राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रार्थना गाने का अभिप्राय यह नहीं है कि शिवकुमार भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं।''

हरिप्रसाद ने सवाल किया कि ''आजाद भारत में तीन बार जिस संगठन पर 'प्रतिबंध' लगा उस आरएसएस से जुड़े गीत को गाकर शिवकुमार किसे खुश करने की कोशिश कर रहे हैं।'' कर्नाटक के विधान पार्षद (एमएलसी) हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, ''अगर वह उपमुख्यमंत्री के तौर पर आरएसएस की प्रार्थना को गाते हैं तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी, क्योंकि सरकार किसी पार्टी की नहीं, बल्कि कर्नाटक के सात करोड़ लोगों की है जिनमें आरएसएस, जमात-ए-इस्लामी और कई अन्य हैं। लेकिन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उन्हें यह प्रार्थना नहीं गानी चाहिए।'' शिवकुमार ने 21 अगस्त को राज्य विधानसभा में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ पर चर्चा के दौरान आरएसएस की प्रार्थना का गायन कर सभी को हतप्रभ कर दिया था। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

हरिप्रसाद ने कहा, ''अगर उन्होंने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर यह किया है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। महात्मा गांधी की हत्या करने वाले संगठन की प्रार्थना गाना उचित नहीं है।'' उन्होंने शिवकुमार पर तंज कसते हुए कहा, ''उनके कई रूप हैं जैसे किसान, खदान मालिक, शिक्षाविद्, व्यापारी, उद्योगपति, नेता। उनका एक रूप ये (आरएसएस कार्यकर्ता) भी हो सकता है।''

कर्नाटक के समाज कल्याण मंत्री महादेवप्पा और मैसूरु के विधायक तनवीर सैत ने दावा किया कि ''विधानसभा में आरएसएस की प्रार्थना का गायन करने का अभिप्राय यह नहीं है कि शिवकुमार भाजपा में शामिल हो रहे हैं''। महादेवप्पा ने मैसूरु में संवाददाताओं से कहा, ''उन्होंने (शिवकुमार) केवल यह दावा किया है कि वह भी हिंदू हैं। कांग्रेस उस (आरएसएस) विचारधारा के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। जो लोग धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और संविधान का समर्थन करते हैं, वे इसका (आरएसएस) विरोध करेंगे।''

तनवीर सैत ने कहा, ''शिवकुमार ने आरएसएस की प्रार्थना को गाया है, केवल इसी आधार पर नहीं कह सकते कि वह भाजपा के पक्ष में हैं। शिवकुमार ने खुद कहा है कि वह जन्मजात कांग्रेसी कार्यकर्ता हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम अपनी विचारधारा का त्याग नहीं करेंगे, लेकिन मुझे दूसरों की विचारधारा को समझना गलत नहीं लगता।'' कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

भाजपा नेताओं ने लेखिका बानू मुश्ताक से दशहरा उत्सव का उद्घाटन कराने के फैसले पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं और पार्टी से निष्कासित एक विधायक ने कर्नाटक सरकार के उस फैसले पर सवाल उठाया है जिसमें बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका और कार्यकर्ता बानू मुश्ताक से इस साल विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा उत्सव का उद्घाटन कराने का निर्णय लिया गया है।

पूर्व मंत्री और भाजपा नेता सी टी रवि ने कहा कि ऐसे व्यक्ति का धार्मिक समारोह की अध्यक्षता करना अनुचित है, जिसकी आस्था अलग हो। मैसूरु के पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने कहा कि वह (बानू) साहित्यिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर सकती हैं लेकिन दशहरे की नहीं।

सिम्हा ने रविवार को मैसूरु में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''मैं बानू मुश्ताक की उपलब्धियों के लिए व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करता हूं। जब वह अखिल भारत कन्नड़ साहित्य सम्मेलन की अध्यक्षता करती हैं तो यह स्वीकार्य है, लेकिन दशहरा जो हिंदुओं का धार्मिक आयोजन है और जिसकी शुरुआत देवी चामुंडेश्वरी की पूजा से होती है, उसकी अध्यक्षता वह करें, यह स्वीकार्य नहीं है। क्या उनकी चामुंडेश्वरी देवी में आस्था है? क्या वह हमारी परंपराओं का पालन कर रही हैं?''

भाजपा से निष्कासित विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से एक लेखिका और कार्यकर्ता के रूप में बानू मुश्ताक मैडम का सम्मान करता हूं। लेकिन देवी चामुंडेश्वरी को पुष्प अर्पित करके और दीप प्रज्वलित करके दशहरा का उद्घाटन करना उनकी अपनी धार्मिक मान्यताओं के विपरीत प्रतीत होता है।'' उन्होंने कहा, ''मैडम को यह स्पष्ट करना होगा कि क्या वह इस्लाम का पालन करना जारी रखेंगी, जो केवल एक ईश्वर और एक पवित्र पुस्तक में विश्वास पर जोर देता है या अब वह मानती हैं कि सभी मार्ग अंततः उसी मोक्ष की ओर ले जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करने से पहले यह स्पष्ट होना आवश्यक है।

यतनाल ने 'हैशटैग कर्नाटक दशहरा 2025' का इस्तेमाल करते हुए कहा, ''इस तरह की स्पष्टता के बिना, बानू मुश्ताक मैडम द्वारा दशहरा का उद्घाटन किया जाना उचित नहीं है। वह निश्चित रूप से दशहरा उत्सव के भीतर सांस्कृतिक या साहित्यिक कार्यक्रमों का उद्घाटन कर सकती हैं, लेकिन दशहरे के उद्घाटन से बचना चाहिए।''

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हाल ही में घोषणा की थी कि बानू मुश्ताक मैसूरु में नाडा हब्बा (राज्य उत्सव) दशहरा समारोह का उद्घाटन करेंगी, जो पारंपरिक रूप से चामुंडी हिल मंदिर में अनुष्ठानों के साथ शुरू होता है।

प्रेमी ने महिला के मुंह में रासायनिक पाउडर ठूंसकर उसकी हत्या कर दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने विवाहित महिला के मुंह में कथित तौर पर कुछ रसायनिक पदार्थ ठूंसकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी के साथ उस महिला के विवाहेत्तर संबंध थे। पुलिस ने बताया कि शनिवार को जिले के सालिगराम तालुक के भेर्या गांव में एक लॉज में यह घटना हुई, जहां रसायन के सेवन से महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी सिद्धाराजू को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसने जांचकर्ताओं को गुमराह करने के लिए महिला की मौत का कारण मोबाइल विस्फोट बताने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, हुनसूर तालुक के गेरासनहल्ली गांव निवासी पीड़िता दर्शिता का विवाह केरल के एक व्यक्ति से हुआ था और महिला के सिद्धाराजू के साथ विवाहेत्तर संबंध थे। लॉज में ठहरने के दौरान महिला और सिद्धाराजू के बीच बहस हुई, जिसके बाद उसने महिला की हत्या कर दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला की हत्या करने के बाद वह चिल्लाया कि मोबाइल फ़ोन फट गया है। हालांकि, कर्मचारियों के वहां आने पर कमरे में कोई मोबाइल फ़ोन नहीं फटा था। आरोपी से कथित तौर पर फटे मोबाइल फ़ोन के बारे में पूछे जाने पर उसने दावा किया कि उसने उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया था। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों ने मोबाइल फोन ढूंढा, जो नहीं मिला और संदिग्ध प्रतीत होने पर उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बताया कि जांच के आधार पर आरोपी सिद्धाराजू को अपराध स्वीकार करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। मैसूरु के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विष्णुवर्धन एन. के अनुसार, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा, पीड़िता की शादी केरल में रहने वाले एक व्यक्ति से हुई थी, लेकिन महिला के आरोपी के साथ विवाहेत्तर संबंध थे। हम इस हत्या के कारण की जांच कर रहे हैं।

'धर्मस्थल' की जांच एनआईए को सौंपी जाए : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने मांग की है कि 'धर्मस्थल'को बदनाम किए जाने की साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। और इस मामलेकी पूरी जांच एनआईए को सौंपी जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने 1 सितम्बर को 'धर्मस्थल चलो' का आह्वान किया है। विजयेन्द्र ने कहा कि सभी जिलों से हमारी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेंगे। राज्य के सभी हिंदूवादी संगठन इसमें भाग लेंगे। चूँकि यह धर्मयुद्ध धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए सभी को इसमें भाग लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 'भाजपा इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करेगी। धर्मस्थल मुद्दे पर बचकानापन न करने की बात कही गई थी, लेकिन अब यूँ ही चुप रहना संभव नहीं होगा। मैं मंजूनाथ स्वामी से प्रार्थना करता हूँ।' इस अवसर पर पूर्व मंत्री के गोपालैया, विधायक विश्वनाथ, पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा, नारायणस्वामी, नेता तमेश गौड़ा और कई अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा ने मंदिर को बदनाम करने के खिलाफ 'धर्मस्थल चलो यात्रा' शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दक्षिण बेंगलूरु इकाई के सोमवार को शुरू की गयी ॐधर्मस्थल चलो यात्रा' में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। यात्रा में शामिल लोगों ने 'धर्मदा उल्लिविगे धर्म युद्ध' (धर्म की रक्षा के लिए एक पवित्र युद्ध) के बैनर तले धर्मस्थल की ओर प्रस्थान किया।

जयनगर के विधायक सी. के. राममूर्ति के नेतृत्व में यह यात्रा जयनगर के चौथे ब्लॉक में श्री विनायक मंदिर में प्रार्थनाओं के साथ शुरू हुई। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या और बसवानगुड़ी के विधायक रवि सुब्रमण्य ने हरी झंडी दिखाकर इस यात्रा को रवाना किया।

सूर्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज लिंक रोड जंक्शन, एनआईसीई रोड पर भाजपा की बेंगलूरु दक्षिण इकाई की धर्मस्थल चलो यात्रा में भाग लिया। सम्मानित आध्यात्मिक केंद्र श्री क्षेत्र धर्मस्थल हमारी भूमि का गौरव है जो अब संगठित साजिश का शिकार हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा धर्मस्थल जैसे पवित्र मंदिर के खिलाफ फैलाए जा रहे दुष्प्रचार की स्पष्ट रूप से निंदा करती है।

सूर्या ने कहा, ''हम मंदिर और उसके प्रशासन के खिलाफ रची गई बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए सीबीआई जांच की मांग करते हैं। इस शुरुआत के दौरान हमारे साथ हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।''

भाजपा की बेंगलूरु दक्षिण जिला इकाई के उपाध्यक्ष उमेश शेट्टी भी इसमें शामिल हुए। दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल पहुंचने के बाद नेताओं का एक किलोमीटर पैदल चलकर भगवान मंजूनाथ स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करने और मंदिर के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

यह यात्रा उस विवाद के बीच हो रही है जिसमें एक शिकायतकर्ता सी एन चिन्नैया ने यह दावा किया कि 'धर्मस्थल' में कुछ समय से यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं सहित अनेक शवों को दफनाया गया। इस दावे का निहितार्थ स्थानीय मंदिर प्रबंधकों की ओर इशारा करता है।

भाजपा ने मंदिर को निशाना बनाए जाने का विरोध किया था। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी चेताया थी कि अगर शिकायत झूठी निकली तो कार्रवाई की जाएगी। मंदिर के 'धर्माधिकारी' वीरेंद्र हेगड़े ने भी एसआईटी के गठन का स्वागत किया था।

राज्यपाल ने राजभवन में गृह सफाई अभियान का किया शुभारंभ

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को राजभवन में भारतीय नर्सेज एवं संबद्ध संघ द्वारा आयोजित मानव तस्करी विरोधी-माता-पिता शिक्षा पर गृह सफाई अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, यह अभियान अभिभावक एवं बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम है जो स्कूल जाने वाले बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों पर केंद्रित है और बच्चों के बढ़ते अपहरण एवं शोषण को रोकने का प्रयास करता है। बचपन बचाना हमारा सामाजिक दायित्व होने के साथ-साथ राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। आइए, गृह शुद्धियेन्द समाज शुद्धि की ओर बढ़ें। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है, जहाँ लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या 18 वर्ष से कम आयु की है। युवा और बच्चे हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनकी मुस्कान, उनकी मासूमियत और उनकी जिज्ञासा एक परिवार की आशा को जगाती है, उनकी आँखों में देश की प्रगति के सपने होते हैं। आज ये बच्चे अपराधियों के निशाने पर हैं, हाल के वर्षों में बाल अपहरण की घटनाओं में वृद्धि हुई है। यह परिवार और पूरे समाज के लिए एक पीड़ा है। कर्नाटक जैसे विकसित और प्रगतिशील राज्य में भी बाल अपहरण की घटनाएं एक चुनौती बन गई हैं। कानूनी अपराध होने के अलावा, यह एक गंभीर सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और नैतिक संकट है।

उन्होंने कहा, देश में बच्चों के अपहरण के मामलों की संख्या हर साल बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में हर साल 2,000 से ज़्यादा बच्चे लापता हो जाते हैं। इनमें से लगभग 10 प्रतिशत बच्चे कभी नहीं मिलते - यानी हर साल 200 से ज़्यादा परिवार अपने बच्चों को हमेशा के लिए खो देते हैं। उन्होंने कहा, आंकड़ों के अनुसार, अपहृत बच्चों में अधिकतर लड़कियां हैं। स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है जब यह संदेह होता है कि इन मामलों में मानव तस्करी, यौन शोषण, बाल श्रम, अंग तस्करी और जबरन भीख मंगवाने वाले गिरोह शामिल हो सकते हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने लापता बच्चों की तलाश के लिए संयुक्त रूप से एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इन मामलों की जांच कर रही हैं और संदिग्ध नेटवर्क पर नजर रख रही हैं। उन्होंने कहा, यह आंदोलन बाल सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान के रूप में विकसित होगा।

मैं नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, भारतीय चिकित्सा संघ, दिशा बोध फाउंडेशन और भारतीय मजदूर संघ, संबद्ध भारतीय नर्सेज और संबद्ध संघों को समाज, जनहित और राष्ट्रहित में किए जा रहे संयुक्त प्रयासों के लिए बधाई देता हूं।

कुड्डालोर में रेल पटरी पर स्कूल वैन पलटने से आठ छात्र घायल

कुड्डालोर/चेन्नई। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले के विरुधाचलम तालुक के पूवनूर गांव में सोमवार को एक स्कूल वैन के रेल पटरी पार करते समय पलट जाने से उसमें सवार करीब आठ छात्र घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह फाटक एक इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग है, जिसका अर्थ है कि जब तक फाटक बंद नहीं होता, ट्रेन को आगे बढ़ने के लिए हरी झंडी (ग्रीन सिग्नल) नहीं मिलती।

यह सेम्मनकुप्पम समपार फाटक से अलग है, जो जिले में स्थित एक गैर इंटरलॉक क्रॉसिंग है। वहां पर ट्रेन तब भी गुजर सकती है, जब फाटक खुला हो। इसी कारण से 8 जुलाई को एक दुखद हादसा हो गया। उस दिन एक स्कूल वैन फाटक पार कर रही थी, तभी ट्रेन ने टक्कर मार दी, जिससे वैन में सवार तीन स्कूली बच्चों की मौत हो गई। सोमवार की दुर्घटना के लिए दक्षिण रेलवे ने निजी स्कूल वैन चालक की लापरवाही'' को जिम्मेदार ठहराया तथा कहा कि बच्चों को मामूली चोटें आयीं और रेलवे कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसे गिरफ्तार किया जा सकता है। पुलिस के अनुसार, रेल फाटक पार करते समय वैन चालक ने गाड़ी पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया। पुलिस के अनुसार, उस समय किसी ट्रेन के आने का समय नहीं था और ग्रामीण बच्चों को बचाने के लिए दौड़े और पलटे वाहन को सीधा किया।

दक्षिण रेलवे ने एक विज्ञप्ति में कहा, रेल सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं क्योंकि समपार फाटक इंटरलॉक है। फाटक बंद होने के बाद ही सिग्नल हरा होता है। बाड़ के एक छोटे से हिस्से को छोड़कर, रेलवे की किसी भी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नियमों के अनुसार, समपार को सड़क यातायात के लिए खोल दिया गया है और दोनों तरफ के सिग्नल लाल बत्ती पर हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सड़क अच्छी स्थिति में है और स्पीड ब्रेकर और संकेतक भी लगे हुए हैं। तिरुचिरापल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक बालक राम नेगी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। दक्षिण रेलवे की विज्ञप्ति में जनता से रेल फाटक पार करते समय सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा गया है कि जनता की सुरक्षा भारतीय रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कुशलक्षेम

बीदर जिले के भालकी स्थित पूर्व मंत्री एवं लोकनायक डॉ. भीमन्ना खंड्रे के आवास पर जाकर सुत्तूर महा संस्थान के प्रमुख श्री श्री शिवरात्रि देशिकेंद्र महास्वामीजी ने उनका कुशलक्षेम पूछा। इस अवसर पर मठ की ओर से भीमन्ना खंड्रे को शॉल ओढ़ाकर आशीर्वाद दिया गया।

राजस्थान के कई हिस्सों में अति भारी बारिश की चेतावनी, स्कूलों में छुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कई हिस्सों में सोमवार और मंगलवार को भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है जिसे देखते हुए राज्य की राजधानी जयपुर सहित कई जिलों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। राज्य में पिछले कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार, राज्य में कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश का दौर आगामी दो-तीन दिन तक जारी रह सकता है। विभाग ने सोमवार को राजसमंद, सिरोही और उदयपुर जिलों में अति भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' और 12 से अधिक जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। इस बीच, सोमवार सुबह तक बीते 24 घंटे में नागौर, चुरू, जालौर, उदयपुर और सिरोही में अति भारी बारिश हुई। वहीं, सीकर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर, धौलपुर और अजमेर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हुई। आईएमडी के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है इस अवधि में सबसे अधिक 173 मिलीमीटर बारिश नागौर में हुई। राजस्थान के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कोटा, बूंदी और सवाई माधोपुर जिलों के निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। स्थानीय प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों के लिए सेना की सहायता ली है।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य के तीन जिलों में राहत और बचाव कार्य के लिए सेना की मदद ली जा रही है। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की सात टीम और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 57 टीम विभिन्न स्थानों पर तैनात की गई हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेनाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों का पूरा साथ मिला : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने सेनाओं का पूरा साथ दिया जिससे यह साबित होता है कि देश का हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी के प्रति जागरूक और समर्पित है। सिंह ने सोमवार को यहां रक्षा एवं खेल अकादमी के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि संकट के समय यदि नागरिक विशेष रूप से युवा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहे तो देश इस तरह की स्थिति का मजबूती से सामना करा सकता है।

उन्होंने कहा ,ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने सशस्त्र बलों को पूर्ण समर्थन दिया, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि नागरिक विशेषकर युवा, अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहें, तो देश किसी भी कठिनाई का सामना कर सकता है और मजबूत बन सकता है। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युवाओं के उत्साह और दृढ़ संकल्प की सराहना की।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का करारा जवाब दिया और निर्धारित लक्ष्यों को सटीकता के साथ हासिल किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों की धर्म के आधार पर उनकी हत्या की, वहीं भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को शरण देने वालों का उनके कर्मों के आधार पर खात्मा किया। उन्होंने इस ऑपरेशन को नए भारत की पहचान बताया।

सिंह ने रक्षा एवं खेल अकादमी जैसी पहलों के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षित और मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए रक्षा, शिक्षा और खेल का समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा, शिक्षा ज्ञान प्रदान करती है जबकि रक्षा से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। दृढ़ता, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प जैसे गुण एक सैनिक के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने एक खिलाड़ी के लिए। रक्षा, शिक्षा और खेल के इस संगम से निकले छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का आह्वान किया जो ज्ञान, संस्कृति और शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी हो। रक्षा मंत्री ने देश की रक्षा में राजस्थान के सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि इस क्षेत्र में जवानों के अनुपात में अधिकारी नहीं बन रहे हैं। उन्होंने लोगों से सशस्त्र बलों में अधिकारी के रूप में शामिल होने और राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूत करने में योगदान देने का आग्रह किया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

दीया कुमारी ने आमेर किले का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा कर हाल में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया। इस दौरान श्रीमती दीया कुमारी ने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। इस बैठक में आमेर किले के विकास और संरक्षण पर चर्चा हुई। बैठक में किले की दीवारों और अन्य संरचनाओं के रखरखाव, पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों, यातायात और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात की गई। इस दौरान अधिकारियों ने वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित सुधारों के बारे में जानकारी दी। इस उपमुख्यमंत्री ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उपमुख्यमंत्री ने राज्य की सभी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इन धरोहरों के सुधार और विकास के लिए आम लोगों और विशेषज्ञों की राय भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक नई पहचान मिलेगी और पर्यटकों का अनुभव और भी बेहतर होगा। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार, महल अधीक्षक राकेश छोलक, पुरातत्व निदेशक पंकज धीरेन्द्र, आमेर विकास प्राधिकरण और ट्रैफिक पुलिस के प्रतिनिधि तथा कई अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

प्रदेश के विद्यार्थी अब होंगे अपने मताधिकार और नैतिक मतदान के प्रति जागरूक : महाजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निर्वाचन साक्षरता एवं मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में निर्वाचन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के बीच सोमवार को शासन सचिवालय, जयपुर में ऐतिहासिक एमओयू हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन एवं शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस संयुक्त एमओयू के तहत राज्य के समस्त माध्यमिक / उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय एवं निजी विद्यालयों में भारत निर्वाचन आयोग की संकल्पना को साकार करते हुए स्कूल निर्वाचन साक्षरता क्लब का सुदृढ़ीकरण एवं ईएलसी गतिविधियों का सुचारू संचालन संपन्न हो सकेगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने कहा कि राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग के पर्यवेक्षण में राजकीय एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को शामिल करते हुए निर्वाचन साक्षरता क्लब गठित कर संचालित किया जा रहे हैं। इन क्लबों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग के लिए शाला दर्पण पोर्टल एवं प्राइवेट स्कूल पोर्टल पर ऑनलाइन ईएलसी एंट्री मॉड्युल उपलब्ध कराया गया है।

देश में राजस्थान स्कूल ईएलसी के सुदृढ़ीकरण हेतु डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने वाला संभवतः पहला राज्य है। अब कक्षा 9 से 12वीं में अध्ययनरत 17 वर्ष के समस्त विद्यार्थियों का अग्रिम रूप से मतदाता पंजीकरण आसान होगा और 18 वर्ष की आयु को पूर्ण करते ही विद्यार्थियों को उनका मतदाता पहचान पत्र प्राप्त हो जाएगा, जिससे वो आगामी चुनावों में सक्रिय मतदाता के रूप में अपना कर्तव्य निभा सकेंगे।

महाजन ने कहा कि इस चेण का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर मतदाता शिक्षा, जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना तथा भावी मतदाताओं में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति समझ विकसित करना है। साथ ही भविष्य में भारत निर्वाचन आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में एनसीईआरटी द्वारा विकसित मतदाता शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम को राज्य की स्कूल शिक्षा में शामिल किया जाना प्रस्तावित है। शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल ने कहा कि इस एमओयू से हम विद्यार्थियों के समग्र विकास की ओर अग्रसर होंगे और उनमें मतदाता शिक्षा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का समावेश हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र 2025-26 के शिविरा कैलेंडर में ईएलसी गतिविधियों को पहले ही शामिल कर लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मतदाता जागरूकता से संबंधित अध्याय भी जोड़े जा रहे। राज्य के विद्यालयों में संचालित ईएलसी क्लब एवं आयोजित गतिविधियों की शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से दोनों विभागों द्वारा विभिन्न स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होने कहा कि इस एमओयू से हम मतदाता जागरूकता एवं शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक प्रतिबद्धता से कार्य कर सकेंगे।

कुणाल ने कहा कि आज निष्पादित किए गए चेण के माध्यम से हम निर्वाचन विभाग के साथ संकल्प लेते हैं कि विद्यालयों में निर्वाचन साक्षरता के लिए अनुकूल वातावरण विकसित कर हमारे विद्यार्थियों को उनके वोट के महत्व और मूल्य के बारे में प्रभावी रूप से शिक्षित करेंगे और सशक्त लोकतंत्र की ओर अग्रसर होंगे।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने निर्वाचन विभाग द्वारा शुरू की गयी त्रैमासिक विभागीय पत्रिका (यूथ चला बूथ) का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कहा कि यूथ चला बूथ पत्रिका खास तौर पर युवा मतदाताओं पर केंद्रित है जिसमें प्रमुख रूप से ईएलसी यानि निर्वाचन साक्षरता क्लब में होने वाली जागरूकता गतिविधियों को शामिल किया जाएगा।

जैसलमेर के रामदेवरा में बाबा रामदेव का वार्षिक मेला शुरू

जैसलमेर। पोकरण के पास स्थित रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेव का 641वां वार्षिक मेला सोमवार को विधिवत रूप से मंगला आरती के साथ शुरू हुआ। इस मेले में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। मेले की शुरुआत बाबा रामदेव की मंगला आरती से हुई। पुजारी कमल किशोर छंगाणी ने दूध, दही, शहद, इत्र एवं पंचामृत से अभिषेक किया। अतिरिक्त जिलाधिकारी परसा राम सैनी ने बाबा रामदेव की समाधि पर पूजा-अर्चना की। समाधि के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

महीनेभर के इस मेले के लिए प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं के खातिर व्यापक प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे सहित अन्य अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हिंदू पंचांग के अनुसार, रामदेवरा मेला हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल पक्ष की दूज से एकादशी तक आयोजित होता है। इस वर्ष मेला 25 अगस्त से शुरू हुआ। हालांकि, भाद्रपद मास की शुरुआत होते ही पैदल यात्री जिन्हें स्थानीय भाषा में 'जातरू' कहा जाता है मंदिर की ओर पहुंचना शुरू हो गए। यह मंदिर पोकरण के रुणिचा धाम में स्थित है, जिसे रामदेवरा भी कहा जाता है। मेले में सभी धर्मों के लोग समान श्रद्धा के साथ भाग लेते हैं और बाबा रामदेव की समाधि पर 'धोक' लगाते हैं। इतिहासकारों के अनुसार, तंवर राजपूत वंश के लोकदेवता बाबा रामदेव ने 1459 ई. में, 33 वर्ष की आयु में रुणिचा गांव में समाधि ली थी। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है।

'डबल इंजन' की सरकार के बावजूद राजस्थान रिफाइनरी का काम धीमा : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पचपदरा में प्रस्तावित राजस्थान रिफाइनरी के कार्य की धीमी गति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को सवाल किया कि 'डबल इंजन' की सरकार होने के बावजूद रिफाइनरी का काम धीमा क्यों है? गहलोत ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने 2025-26 की बजट घोषणा संख्या 158 में यह कहा था कि पचपदरा-बालोतरा स्थित रिफाइनरी अगस्त 2025 से उत्पादन शुरू कर देगी।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, कल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रिफाइनरी का दौरा किया, परंतु दोनों के बयानों और सरकारी प्रेस नोट में रिफाइनरी के उत्पादन शुरू होने की तारीख का कोई जिक्र नहीं था। यह आश्चर्यजनक चुप्पी जनमानस में संदेह उत्पन्न कर रही है। गहलोत के अनुसार, कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान, कोरोना महामारी के बावजूद रिफाइनरी का काम तेजी से हुआ और 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 2013 से 2018 और अब 2023 से भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण 37,000 करोड़ की इस परियोजना की लागत बढ़कर लगभग एक लाख करोड़ तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा, 2013 में जब इस परियोजना का शिलान्यास हुआ था, तब सरकार बदलने के बाद इसका काम रोका नहीं गया होता तो लागत इतनी नहीं बढ़ती। अब राजस्थान की जनता पूछ रही है कि 'डबल इंजन' की सरकार के बावजूद रिफाइनरी का काम धीमा क्यों चल रहा है?

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रही एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ उद्घाटन कार्य किए और एक समीक्षा बैठक भी की।

राजस्थान रिफाइनरी का अब शीघ्र ही शुरू हो सकेगा संचालन : भजनलाल

बालोतरा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य एवं केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से पिछले छह महीनों में बालोतरा जिले के पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लि. (एचआरआरएल) के कार्यों में उल्लेखनीय तेजी आई है और अब शीघ्र ही इसका संचालन प्रारंभ हो सकेगा। शर्मा यहां केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ आरएमसीआर में परियोजना समीक्षा बैठक में रिफाइनरी की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि हम पर्यावरण संरक्षण के साथ ही राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने रिफाइनरी की महत्वपूर्ण इकाइयों के शीघ्र कार्यशील होने एवं पूर्ण क्षमता पर संचालन के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों को प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन एवं बैटरी स्टोरेज के लिए नवीन संभावनाएं तलाशने तथा सांभरा में रिफाइनरी द्वारा संचालित होने वाले अस्पताल को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने रिफाइनरी के उत्पादों की बिक्री संबंधी कार्ययोजना बनाने एवं सम्पूर्ण रिफाइनरी परिसर में अधिकाधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए।

आमजन को मिले विश्वस्तरीय एवं किफायती चिकित्सा सुविधाएं : भजनलाल

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में आमजन को विश्व स्तरीय और किफायती चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। वर्ष 2024-25 के बजट में प्रदेश में सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सा को नये आयाम देने के लिये आरयूएचएस (राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साईंसेज) का उन्नयन कर दिल्ली एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीयूट ऑफ मेडिकल साईंसेज (रिम्स) की स्थापना की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा राज्य विधानसभा में 'राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर विधेयक 2025' पेश किया जायेगा। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली की तर्ज पर जयपुर में रिम्स की स्थापना की जाएगी जिसमें सुपर-स्पेशियलिटी नैदानिक सेवाओं, उन्नत चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए अनुसंधान और रोगी देखभाल की सर्वोत्तम सुविधाएँ आमजन को मिलेगी। रिम्स एक स्वायत्त संस्थान और विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करेगा जहाँ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के तहत डिग्री, डिप्लोमा और अन्य शैक्षणिक मान्यता दी जा सकेगी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि रिम्स में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, एंडोक्राइनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, सीटीवीएस एवं ट्रांसप्लांट यूनिट जैसे सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएँ होगी तथा - पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, जेरियाट्रिक मेडिसिन, रूमेटो लॉजी, रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, जेनेटिक्स, क्रिटिकल केयर जैसी अनेक नई सब-स्पेशियलिटी विभागों की भी स्थापना की जाएगी।

संस्थान में सुपर-स्पेशियलिटी और ब्रॉड स्पेशियलिटी के विकास, क्वाटरनरी-स्तर के रेफरल अस्पताल सेवाओं, आधुनिक चिकित्सा और संबद्ध विज्ञानों में विशेष स्नातकोत्तर शिक्षण और राज्य के विशिष्ट स्वास्थ्य पहलुओं पर नवाचार अनुसंधान किया जायेगा।

आचार्य शांति सागर महाराज के समाधि दिवस पर जैन समाज ने कैदियों को दिया अहिंसा का संदेश

जयपुर। आचार्य शांति सागर जी महाराज के समाधि दिवस के उपलक्ष्य में दिगंबर जैन समाज ने विभिन्न सेवा कार्य किए। इस अवसर पर गौशाला में गोग्रास दिया गया, अनाथ आश्रम में भोजन पैकेट बांटे गए और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई।

इस दौरान, जैन समाज ने जिला कारागृह में कैदियों को फल वितरित किए। समाजसेवी विनायक जैन ने कैदियों को संबोधित करते हुए आचार्य शांति सागर जी महाराज के जीवन, तपस्या और उनके अहिंसा के संदेश के बारे में बताया।

रेड्डी का 'सलवा जुडूम' पर फैसला माओवाद के प्रति उनके झुकाव को प्रतिबिंबित करता है : रविशंकर

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी सुदर्शन रेड्डी का उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर 'सलवा जुडूम' को लेकर दिया गया फैसला उनके ''माओवाद के प्रति झुकाव'' को प्रतिबिंबित करता है। न्यायमूर्ति रेड्डी और न्यायमूर्ति एस.एस. निज्जर उच्चतम न्यायालय की उस पीठ का हिस्सा थे, जिसने जुलाई 2011 में 'सलवा जुडूम' को समाप्त करने का आदेश दिया था। पीठ ने माओवादियों के विरुद्ध लड़ाई में आदिवासी युवकों को विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में तैनात करने को अवैध और असंवैधानिक करार दिया था।

पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा, भारत में उपराष्ट्रपति दूसरा शीर्ष संवैधानिक पद है। इसलिए इस पद के लिए चुने गए व्यक्ति की मानसिकता और विचारधारा को समझना बेहद जरूरी है। सलवा जुडूम पर न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी का 2011 का फैसला स्पष्ट रूप से माओवाद के प्रति उनके सहानुभूतिपूर्ण रवैये और झुकाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा, अमित शाह की उनके खिलाफ टिप्पणी उचित है। (न्यायमूर्ति) सुदर्शन रेड्डी के फैसले से माओवाद के खिलाफ लड़ाई को बड़ा झटका लगा था और आज वही सुदर्शन रेड्डी विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं।

शाह ने रेड्डी पर नक्सलवाद का ''समर्थन'' करने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि अगर सलवा जुडूम के खिलाफ फैसला नहीं आता, तो वाम उग्रवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता।

नोएडा दहेज हत्याकांड में मृतका का जेठ गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में दहेज के लिए 26 वर्षीय निक्की की कथित तौर पर हत्या के मामले में उसके जेठ को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि कासना पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर आरोपी रोहित (28) को सिरसा टोल चौराहे से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ 22 अगस्त को कासना पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 61(2) (आजीवन कारावास या अन्य दंडनीय अपराध करने का प्रयास करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद से ही रोहित फरार था। इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में आक्रोश है। प्राथमिकी में निक्की का पति विपिन, भाई रोहित, मां और पिता नामजद हैं। इनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिहार में 'इंडि' गठबंधन तय करेगा मुख्यमंत्री का चेहरा : धर्मेन्द्र यादव

बलिया (उप्र)/भाषा। आजमगढ़ से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद एवं लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री का चेहरा 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन तय करेगा।

यादव ने यह भी कहा कि प्रमुख दल होने के नाते वहां राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दावा बनता है।

सपा सांसद यादव ने रविवार रात संवाददाताओं से कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री को लेकर फैसला 'इंडि' गठबंधन द्वारा लिया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि बिहार में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, तो यादव ने कहा, इंडि गठबंधन के लोग निर्णय लेंगे।

यादव ने यह भी कहा, सभी जानते हैं कि बिहार में मुख्य दल कौन है और मुख्य दल के नेता कौन हैं। स्वाभाविक है कि राजद मुख्य दल है और उनका दावा बनता है। हालांकि, अंतिम फैसला 'इंडिया' गठबंधन द्वारा ही लिया जाएगा।

संभल में वैदिक मंत्रों के बीच भगवान परशुराम जी की प्रतिमा की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल के शंकर इंटर कॉलेज चौराहे पर सोमवार को भगवान परशुराम की प्रतिमा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्थापित की गई। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस प्रतिमा के शिलापट्ट का अनावरण सात अगस्त को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहजोई में किया था।

इस मौके पर शंकर इंटर कॉलेज चौराहा भगवान परशुराम के जयकारों से गूंज उठा। कलयुग के अवतार श्री कल्कि भगवान को भगवान परशुराम का गुरु माना जाता है, और उनकी प्रतिमा की स्थापना को संभल के नए जीर्णोद्धार की दृष्टि से देखा जा रहा है।

मूर्ति स्थापना समारोह में शामिल होने के लिए पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय महासचिव डॉ. कर्णपुरी महाराज, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल, विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के जिलाध्यक्ष अनंत अग्रवाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे।

परशुराम जी की मूर्ति की स्थापना से जुड़े श्रद्धालु राजकुमार गुप्ता ने बताया कि भगवान परशुराम की प्रतिमा पीतल से बनी है और लगभग चार फुट ऊंची है। उन्होंने बताया कि इसका वजन करीब डेढ़ क्विंटल है और इसे बनाने में तीन लाख रुपए से अधिक की लागत आई है। आचार्य पं. शोभित शास्त्री ने बताया कि भगवान श्री कल्कि की नगरी संभल पौराणिक और ऐतिहासिक है।

पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय महासचिव डॉ. कर्णपुरी महाराज ने कहा कि उत्तर प्रदेश के संभल में सनातन धर्म की स्थापना हो रही है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की प्रतिमा की स्थापना के बाद संभल के 84 तीर्थों का भी जीर्णोद्धार होगा।

विधायी सदन को जनता की आवाज बनना चाहिए : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधायी निकायों की गरिमा में गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को विधायी सदन के सदस्यों और राजनीतिक दलों सहित सभी पक्षों से आह्वान किया कि वे इस मुद्दे पर विचार करें। उन्होंने दिल्ली विधानसभा द्वारा आयोजित विभिन्न विधानसभाओं के अध्यक्षों के सम्मेलन के समापन समारोह में इस बात पर जोर दिया कि पीठासीन अधिकारियों को सत्र की अध्यक्षता करते समय ''निर्विवाद, स्वतंत्र और न्याय करने वाले'' के रूप में देखा जाना चाहिए।

बिरला ने कहा, हमारे संविधान निर्माताओं ने सदन में कुछ भी कहने, यहां तक कि सरकार के खिलाफ बोलने का भी विशेषाधिकार दिया था। हालांकि, इस स्वतंत्रता के पीछे की मंशा में गिरावट आई है। यह हम सभी के लिए चिंता का विषय है। अध्यक्ष ने इस बात पर भी बल दिया कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सदन सार्थक चर्चा और जनहित के मुद्दों पर विचार के उद्देश्य से संचालित हो। उन्होंने विधायी सदनों के सदस्यों से दलगत स्वार्थों से ऊपर उठकर उन लोगों की अपेक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया जिन्होंने उन्हें चुना है।

बिरला ने कहा, सदस्यों को जनता से जुड़े मुद्दे उठाने चाहिए। सदनों को जनता की आवाज बनना चाहिए और उनके सुझावों और विचारों को सार्थक रूप से प्रतिबिंबित करना चाहिए। बिरला ने सदन के अंदर और बाहर मर्यादा और सम्मानजनक भाषा बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, असहमति लोकतंत्र की ताकत है। लेकिन सदस्यों को सदन के अंदर और बाहर आचार संहिता का पालन करना चाहिए। जनता हमारे शब्दों और कार्यों को देख रही है। लोकसभा अध्यक्ष ने सभी राजनीतिक दलों से विधायिका की गरिमा बनाए रखते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

'भ्रष्टाचार के यार' राजनीति में नैतिकता स्थापित करने की कोशिश का कर रहे हैं विरोध : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने संबंधी तीन विधेयकों पर विपक्ष की आपत्ति की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि ''भ्रष्टाचार के यार'' राजनीति में नैतिकता लाने के सरकार के प्रयास का विरोध कर रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन विधेयकों का उद्देश्य ''नैतिकता, स्वच्छ राजनीति और सुशासन'' लाना है। उन्होंने कहा कि ये राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराधीकरण के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ाई के लिए एक ''हथियार या उपकरण'' के रूप में काम कर सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया, पूरा देश इन विधेयकों का स्वागत कर रहा है। मुट्ठी भर विपक्षी दल कह रहे हैं कि वे नैतिकता के साथ नहीं, बल्कि बेशर्मी के साथ हैं। वे कह रहे हैं कि वे अपने परिवार के साथ हैं, राजनीति में मर्यादा और सिद्धांतों के साथ नहीं... ये ''भ्रष्टाचार के यार'' विधेयकों का विरोध कर रहे हैं।

अक्टूबर तक दो मार्गों पर जलविमान सेवाएं फिर से शुरू होंगी: नागर विमानन मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को यहां कहा कि नागर विमानन मंत्रालय अक्टूबर तक भारत में कम से कम दो मार्गों पर जलविमान (सीप्लेन) सेवा फिर से शुरू करेगा।

पूर्वी क्षेत्र के नागर विमानन मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, एक समय में जलविमान का परिचालन होता था, लेकिन यह एक ही मार्ग तक सीमित था। सरकार ने जलविमान परिचालन के लिए दिशा-निर्देशों को सरल बना दिया है और हमें उम्मीद है कि अक्टूबर तक देश में अंडमान-निकोबार, केरल या आंध्र प्रदेश नेटवर्क पर दो जलविमान का परिचालन होगा। उन्होंने कहा कि इस सेवा को ओडिशा की चिल्का झील और पूरे पूर्वी तट तक भी विस्तारित किया जा सकता है।

मंत्री ने कहा, यह सेवा किसी भी जल निकाय पर शुरू की जा सकती है, जहां पांच फुट से अधिक गहराई और विमान उतारने के लिए 200 मीटर से अधिक जगह हो।

नायडू ने कहा कि 'वाटरड्रोम' की स्थापना, पायलट को प्रशिक्षण देने तथा समुद्री विमान संचालन से संबंधित नियमों और विनियमों को सरल बनाया गया है।

मंत्री ने राज्यों से नेटवर्क का विस्तार करने के लिए नवीन विचारों और नए स्थानों के साथ आगे आने का भी आग्रह किया। उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) की बढ़ती मांग का उल्लेख करते हुए नायडू ने कहा, फिलहाल 1,700 विमानों का ऑर्डर दिया गया है। प्रत्येक विमान के लिए 20 से 30 पायलट की आवश्यकता होती है। अकेले भारत में इस मांग को पूरा करने के लिए हमें हर साल 3,000 पायलट तैयार करने होंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि भारत नागर विमानन क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनने की आकांक्षा रखता है, इसलिए एफटीओ का अंतरराष्ट्रीय स्तर का होना आवश्यक है।

मंत्री ने घोषणा की, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मंत्रालय अक्टूबर से भारत में कार्यरत एफटीओ के लिए एक रैंकिंग प्रणाली शुरू करेगा।

उप्र सरकार अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के नाम पर छात्रवृत्ति शुरू करेगी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के नाम पर एक नई छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की। शुक्ला किसी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन में भाग लेने वाले राज्य के पहले व्यक्ति हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि यह छात्रवृत्ति अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले उत्तर प्रदेश के छात्रों को सहायता प्रदान करेगी। यह घोषणा शुक्ला के सम्मान समारोह के दौरान की गई, जो ऐतिहासिक 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में रहने के बाद हाल ही में लौटे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ऐसे अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बनने वाले उत्तर प्रदेश के पहले नागरिक हैं, इसलिए हम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाने के इच्छुक छात्रों के लिए उनके नाम पर एक छात्रवृत्ति शुरू करेंगे। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। चार साल पहले, उत्तर प्रदेश में कोई भी विवि या संस्थान अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में कोई पाठ्यक्रम, डिग्री, डिप्लोमा या प्रमाणपत्र प्रदान नहीं करता था। आज गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय तकनीकी विवि और एकेटीयू जैसे संस्थानों के साथ-साथ एक दर्जन से अधिक तकनीकी संस्थानों ने इस क्षेत्र में डिग्री पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

हिमंत ने बांग्लादेशियों पर टिप्पणी के लिए कार्यकर्ता सैयदा हमीद की आलोचना की

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को मानवाधिकार कार्यकर्ता सैयदा हमीद की बांग्लादेशी यहां रह सकते हैं टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के बयान घुसपैठियों को वैध बनाते हैं और असम को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने के जिन्ना के सपने को साकार करने की कोशिश करते हैं। शर्मा ने दावा किया कि हमीद जैसे लोगों के मौन समर्थन के कारण असमिया लोगों की पहचान विलुप्त होने के कगार पर है। मुख्यमंत्री ने मानवाधिकार कार्यकर्ता को गांधी परिवार का करीबी विश्वासपात्र बताया।

रविवार को यहां एक बैठक के बाद हमीद की टिप्पणी की एक क्लिप साझा करते हुए, शर्मा ने 'एक्स' पर कहा, गांधी परिवार की करीबी विश्वासपात्र सैयदा हमीद जैसे लोग घुसपैठियों को वैध ठहराते हैं, क्योंकि वे असम को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने के जिन्ना के सपने को साकार करना चाहते हैं। उन्होंने महान अहोम सेनापति का जिक्र करते हुए कहा, आज असमिया पहचान उनके जैसे लोगों के मौन समर्थन के कारण विलुप्त होने के कगार पर है। लेकिन हम लाचित बरफुकन के बेटे और बेटियां हैं, हम अपने राज्य और अपनी पहचान को बचाने के लिए अपने खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे।

योजना आयोग की पूर्व सदस्य हमीद रविवार को यहां नागरिक मंच – असम नागरिक सम्मेलन द्वारा आयोजित 'असम के विशेष संदर्भ में राष्ट्र की स्थिति' विषय पर एक संगोष्ठी में शिरकत करने आई थी।

भारत में अब भी सुनील से बेहतर कोई और खिलाड़ी नहीं: जमील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के नए मुख्य कोच खालिद जमील ने सोमवार को कहा कि 41 साल की उम्र में भी देश में करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री से बेहतर कोई खिलाड़ी नहीं है और जब तक वह उपलब्ध रहेंगे तब तक वह राष्ट्रीय टीम में बने रहेंगे।

जमील ने छेत्री को 29 अगस्त से शुरू होने वाले सीएएफए नेशंस कप के राष्ट्रीय शिविर से बाहर रखा है और कहा कि यह अक्टूबर में होने वाले महत्वपूर्ण एशियाई कप क्वालीफायर मैचों की तैयारी के लिए एक टूर्नामेंट मात्र है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छेत्री नौ अक्टूबर (विदेश में) और 14 अक्टूबर (स्वदेश में) को सिंगापुर के खिलाफ राष्ट्रीय टीम में शामिल होंगे। जमील ने पीटीआई से कहा, भारत में उनसे बेहतर कोई और खिलाड़ी नहीं है। तो जब वह उपलब्ध हैं तो क्यों नहीं? हमें उनके अनुभव की जरूरत है। वह एक दिग्गज हैं और उन्होंने इतने वर्षों तक देश को बहुत कुछ दिया है। छेत्री ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया था लेकिन तत्कालीन मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज के एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में टीम की मदद करने के अनुरोध पर इस साल मार्च में मालदीव के खिलाफ मैच में राष्ट्रीय टीम के लिए वापसी की।

मीराबाई की शानदार वापसी, राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। एक साल के लंबे अंतराल के बाद वापसी करने वाली मीराबाई चानू ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा (84 किग्रा + 109 किग्रा) वजन उठाकर राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया। यह 31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में भाग ले रही है। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थी। मीराबाई चोटिल होने के कारण पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थी इसलिए उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ़ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वज़न उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं। उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की इरीन हेनरी ने 161 किग्रा (73 किग्रा + 88 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा (70 किग्रा + 80 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए सोमवार को कहा कि यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया।

रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है। मानसिक रूप से यह बहुत चुनौतीपूर्ण होता है और थका देने वाला भी। लेकिन सभी क्रिकेटर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलते हुए ही बड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, जब हम प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं, यहां तक कि मुंबई में भी क्लब क्रिकेट के (मैच) दो दिन (या) तीन दिन तक चलते हैं, इस तरह से हम छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। इससे आपके सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है। रोहित ने कहा कि सभी युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में अच्छी तैयारी के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन वे धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, जब आप बहुत छोटे होते हैं, तो आप तैयारी के महत्व को नहीं समझते। लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपको समझ आता है कि यह आपको एक प्रकार का अनुशासन देता है जिसकी खेल में मांग होती है, इसलिए इसकी शुरुआत तैयारी से होती है, यह समझने से कि आपको वास्तव में क्या करने की जरूरत है। रोहित ने कहा, जब आप सबसे लंबे प्रारूप में खेल रहे होते हैं तो इसमें काफी कुछ करना पड़ता है और एकाग्रता ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है, क्योंकि आप बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे होते हैं और उसके लिए मानसिक रूप से तरोताजा होना जरूरी है।

सुविचार

साहस वही है जो अपने डर का सामना करता है और उसे परास्त करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लालच का दांव, अंतहीन कुतर्क

जब से केंद्र सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर सख्त कानून बनाया है, सोशल मीडिया पर कई लोग इसके खिलाफ एकजुट होकर कुतर्क दे रहे हैं। वे किसके इशारे पर ऐसा कर रहे हैं, इसका खुलासा होना चाहिए। जिन ऑनलाइन गेम्स के चक्कर में पड़कर लोगों की ज़िंदगीभर की बचत खत्म हो गई, उनका समर्थन कोई कैसे कर सकता है? वे कहते हैं– 'क्या देश में यही एक समस्या है ... इससे बड़ी समस्या तो बेरोजगारी है, सरकार उस पर ध्यान क्यों नहीं देती ... ऑनलाइन मनी गेमिंग से ज्यादा नुकसान तो शराब से हो रहा है, सरकार उसे बंद क्यों नहीं करती ... इससे ज्यादा बुरी लत तो गुटखा–तंबाकू की है, सरकार पहले उसे बंद करने की हिम्मत क्यों नहीं दिखाती ... ऑनलाइन मनी गेमिंग पर तो रोक लगा दी, लेकिन जो लोग छिपकर खेलेंगे, उन्हें कैसे रोकेंगे?' ये अंतहीन कुतर्क हैं, जिनका सार यही है कि सरकार पहले पूरी दुनिया को सुधारे, उसके बाद ऐसे ऐप्स की ओर ध्यान दे! क्या हर तरह के सुधार की जिम्मेदारी सरकार की ही है? जनता की कोई जिम्मेदारी नहीं है? जिन लोगों ने अब तक इन ऐप्स पर रुपए गंवाए, वे उधर क्या करने गए थे? मोटी कमाई का लालच ही वह तत्त्व है, जिसके वशीभूत होकर उन्होंने ऐप डाउनलोड किया और गेम खेला था। कुछ लोग यह कुतर्क देकर इन ऐप्स को डाउनलोड करने संबंधी अपने फैसले का बचाव कर रहे हैं कि 'हम तो बेरोजगार हैं, जिसके पास कोई काम नहीं होगा, वह ऑनलाइन गेम ही खेलेगा'! उन्हें पता होना चाहिए कि इन ऐप्स के जाल में फंसकर कई व्यापारी भी बर्बाद हो चुके हैं। ऐसे लोग सोशल मीडिया पर आकर बता चुके हैं कि उनकी सालाना कमाई लाखों में थी। एक दिन दुर्भाग्य ने आ घेरा और वह ऐप डाउनलोड कर लिया। अब कारोबार चौपट है, उधार मांगकर गुजारा चल रहा है।

लोग (हजारों रुपए हारने के बावजूद) बेरोजगारी को वजह बताकर ऐसे ऐप्स अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड करने को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने वही राशि खर्च कर कोई हुनर क्यों नहीं सीखा? एक बेरोजगार नौजवान 30,000 रुपए हार चुका है। अगर वह इस राशि से कोई काम–धंधा शुरू कर देता तो बेशक पहले कमाई कुछ कम होती, लेकिन आगे उन्नति करता। यह राशि एक झटके में नहीं डूबती। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि देश में बेरोजगारी है, लेकिन इसका समाधान यह नहीं है कि नौजवान ऑनलाइन मनी गेमिंग को कमाई का जरिया बना लें। सोचिए, जो कंपनियां इन ऐप्स का संचालन करती हैं, उन्हें कमाई कहां से होती है? क्या वे बेरोजगारों का 'भला' करने के लिए आई हैं? लोग जितनी राशि हारेंगे, इन कंपनियों की कमाई उतनी ही बढ़ेगी। लोगों की जेबें खाली होंगी, तो ही इन कंपनियों के खातों में 'धनवर्षा' होगी। इतनी सीधी–सी बात लोग समझते क्यों नहीं? नौजवानों का एक वर्ग ऐसा है, जो 'सेलिब्रिटी' के शब्दों पर आंखें मूंदकर विश्वास करता है। उसे लगता है कि ये जिस चीज का प्रचार करेंगे, वह सौ फीसद सही होगी! ऑनलाइन मनी गेमिंग में हजारों–लाखों रुपए हारने के बाद कई नौजवान यह कहते मिल जाएंगे– 'हमें तो फलां सेलिब्रिटी ने कहा था, उसने एक वीडियो में इस ऐप का प्रचार किया था'। कितने आश्चर्य की बात है कि इस देश के कई नौजवान अपने विवेक–बुद्धि पर विश्वास करने के बजाय 'सेलिब्रिटी' की बातों पर ज्यादा विश्वास करते हैं! अगर किसी ऑनलाइन गेम में सबकुछ हार गए तो क्या कोई 'सेलिब्रिटी' उस नुकसान की भरपाई कर देगा? ये 'सेलिब्रिटी' उस ऐप का विज्ञापन भी मुफ्त में नहीं करते। अगर विश्वास करना ही है तो भगवान श्रीकृष्ण पर करें, जिन्होंने हजारों साल पहले 'महाभारत' में साफ बता दिया था कि 'लालच का दांव' आखिर में बर्बाद ही करता है। सरकारी रोकथाम की एक सीमा होती है। व्यक्ति मजबूत इच्छाशक्ति से ही खुद को इन गतिविधियों से रोक सकता है।

ट्वीटर टॉक

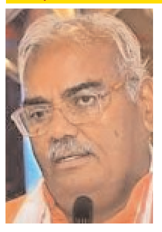

जन–जन की आस्था व श्रद्धा के प्रतीक, लोकदेवता बाबा रामदेव जी महाराज के प्राकट्य दिवस (भादवा बीज) पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। रामसापीर के दिव्य संदेश सबका भला हो, सबका मंगल हो हमें सदैव सत्य, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

–मदन दिलावर

आमेर किले का निरीक्षण कर हाल ही में क्षतिग्रस्त हुई प्राचीर का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक मरम्मत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। आमेर ही नहीं, प्रदेश की प्रत्येक धरोहर का संरक्षण और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

–दीया कुमारी

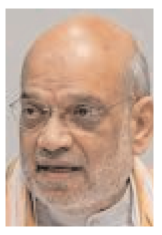

यूपीए सरकार के दौरान, जब श्री मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे और लालू प्रसाद जी मंत्री थे, तब लालू प्रसाद को सजा हो गई। इसके बाद मनमोहन सरकार एक ऑर्डिनेंस लेकर आई, जिसमें कहा गया कि दो साल की सज़ा होने पर भी सदस्यता नहीं जाएगी।

–अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

आत्मबोध की शक्ति

कॉलिन विल्सन की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। आर्थिक कठिनाइयों के कारण उन्हें सोलह वर्ष की उम्र में पढ़ाई छोड़कर काम करना पड़ा। उन्होंने कुछ समय तक ऊन बनाने के कारखाने में काम किया, फिर किसी प्रयोगशाला में सहायक बन गए। पढ़ाई पूरी न कर पाने की निराशा उनके मन पर हावी होने लगी। एक दिन उन्होंने आत्महत्या करने का निर्णय लिया। वे सायनाइड खाने जा रहे थे, तभी उनके मन में एक विचार आया। उन्होंने महसूस किया कि उनके भीतर दो कॉलिन विल्सन हैं एक जो परिस्थितियों से निराश है और दूसरा जो विचारशील, समर्थ और सक्षम है। इस अनुभव ने उनके जीवन के नए द्वार खोल दिए। उन्होंने आत्महत्या का विचार त्याग दिया और अपनी प्रतिभा के विकास में जुट गए। आगे चलकर वे एक प्रसिद्ध लेखक बने और विभिन्न विषयों पर अनेक पुस्तकें लिखीं। इस घटना से हमें यह सीख मिलती है कि जीवन में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं, पर हमें परिस्थितियों से हार नहीं माननी चाहिए।

सामयिक

भारत की नज़र में यह युद्ध का नहीं, शांति का समय

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस–यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति–अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। ज़ेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार–बार कहा है–यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है–शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।'

भारत की शांति नीति केवल रूस–यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान–इजरायल, इजरायल–हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल–पुथल–भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी–20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग–शांति–सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा–अहिंसा परमो धर्मः। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस–यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी–20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा–आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था–दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है।

आज, जब रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने–सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की अयुद्ध नीति' है–जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण तटस्थ' ही नहीं, बल्कि शांति–उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

मुद्दा

बड़ी सफलता शार्टकट से नहीं मिलती

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।

यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ–साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं।

मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य, करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है।

मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

नजरिया

कम सामान, ज़्यादा सुकून

अच्युत सामंत
सांसद, संस्थापक केआईआईटी एवं केआईएसएस

जीवन में हम सब सफलता, शांति और ख़ुशी की तलाश करते हैं। हम चाहते हैं कि हमें बाहर और भीतर दोनों तरह से स्थिरता और आराम मिले। लेकिन अक्सर हम इस मूल सत्य को भूल जाते हैं कि जितना कम बोझ हम उठाएँगे, उतना अधिक आराम पाएँगे। यह केवल भौतिक बोझ की बात नहीं है, बल्कि भावनात्मक, मानसिक, आध्यात्मिक और भौतिक बोझ की भी बात है। बोझ जितना हल्का होगा, सफ़र उतना आसान होगा। यही सिद्धांत जीवन के हर पड़ाव पर लागू होता है। हमें बस रुककर सोचना होगा कि कैसे अनावश्यक बोझ – चाहे वह सामान हो, अपराधबोध, अहंकार, पछतावा या मोह – हमें धीमा करता है, ऊर्जा छीनता है और दृष्टि को धुंधला कर देता है।

सबसे सामान्य उदाहरण से शुरू करें – स्कूल जाने वाले बच्चे से। जब छोटा बच्चा पढ़ाई शुरू करता है, वह जिज्ञासा, मासूमियत और आनंद से भरा होता है। लेकिन जल्दी ही उसके स्कूल बैग का वज़न बढ़ने लगता है – किताबों का भी और अपेक्षाओं, दबाव और तुलना का भी। नर्सरी का बच्चा सिर्फ़ ज़रूरी किताबें, कहानियाँ और खेल–कूद का सामान ले जाता है। लेकिन जैसे–जैसे कक्षा बढ़ती है, बैग भारी होता जाता है, यह जीवन में अनावश्यक बोझ बढ़ने का प्रतीक है। जब बच्चे का बोझ हल्का होता है, वह ज़्यादा स्वतंत्र महसूस करता है, तेज़ चलता है, साफ़ सोचता है और सफ़र का आनंद लेता है। लेकिन जब बोझ बढ़ जाता है, उत्साह घटता है, शरीर दुखता है और ख़ुशी खो जाती है। यही सिद्धांत बड़ों, पेशेवरों, नेताओं और हर इंसान पर लागू होता है।

यात्रा में भी हम अनुभव करते हैं कि जितना कम सामान हो, चलना उतना आसान होता है। ज़्यादा सामान, ज़्यादा परेशानी। हल्के यात्री जल्दी पहुँचते हैं, बेहतर ढलते हैं और कम चिंतित रहते हैं। जीवन भी एक यात्रा है – एक पड़ाव से दूसरे पड़ाव तक, एक रिश्ते से दूसरे रिश्ते तक। जो कम भावनात्मक और मानसिक बोझ रखते हैं, वही बेहतर ढलते हैं। अगर हम अतीत की ग़लतियों, टूटे रिश्तों, द्वेष या बीती उपलब्धियों से चिपके रहते हैं, तो वर्तमान को अपनाने और भविष्य की तैयारी से खुद को रोक लेते हैं। इसलिए क्षमा सबसे बड़ा बोझ उतारने वाला साधन है। जब हम माफ़ करते हैं, हम अनावश्यक बोझ छोड़ देते हैं और खुद को मुक्त करते हैं। हर धर्म और दर्शन में कम सामान की शिक्षा दी गई है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा – बिना आसक्ति, अहंकार और फल की इच्छा के कर्म करो। यह है कम बोझ। बौद्ध धर्म में मुक्ति का मार्ग इच्छाओं और आसक्तियों को छोड़ने से है। यह भी कम बोझ है। जैन धर्म में संयम और न्यूनतम जीवन साधना का साधन है। इस्लाम में पैग़म्बर मोहम्मद ने कहा – दुनिया से अलिप्त रहो, अल्लाह तुमसे प्रेम करेगा। ईसाई संतों और रहस्यवादियों ने भी सांसारिक चीज़ों से दूर रहने और सादगी अपनाने पर ज़ोर दिया। गांधीजी ने भी यही सिद्धांत अपनाया – दुनिया में सबकी ज़रूरत के लिए पर्याप्त है, पर सबके लालच के लिए नहीं।

यहाँ बोझ का मतलब है – भावनात्मक : क्रोध, आक्रोश, अधूरा दर्द। मानसिक : अपराधबोध, आत्म–संदेह, ज़रूरत से ज़्यादा सोचना। भौतिक : अनावश्यक वस्तुएँ इकट्ठा करना। आध्यात्मिक : अहंकार, गर्व, दूसरों को जज करना। जितना अधिक बोझ, उतनी दूर शांति। जो व्यक्ति छोड़ना सीखता है, वह हल्का, स्वतंत्र और जीवन के प्रति सहज हो जाता है।

मेरे जीवन में संघर्ष, ज़िम्मेदारी और चुनौतियाँ रही हैं। बचपन से लेकर सार्वजनिक जीवन तक मैंने ग़रीबी भी देखी और सफलता भी। पर मैंने हमेशा कम उठाओ, ज़्यादा दो का सिद्धांत अपनाया। आज भी बड़े संस्थान चलाने के बावजूद मैं निजी जीवन को सरल रखने की कोशिश करता हूँ। अनावश्यक वस्तुओं से दूर रहता हूँ, जल्दी माफ़ कर देता हूँ और असफलताओं पर ज़्यादा नहीं अटकता। यही मेरा सुकून है। यही मानसिक शांति है। यही रात को चैन से सोने और स्पष्ट निर्णय लेने का मार्ग है।

आज की दुनिया में सफलता का मतलब दौलत, पद और प्रसिद्धि समझा जाता है। पर असली सफलता सरलता में है। जितना हम जमा करते हैं, उतना खोने का डर रहता है और उतनी ही चिंता बढ़ती है। महामारी ने हमें यह सिखा दिया कि जीने के लिए बहुत कम चीज़ों की ज़रूरत होती है – स्वास्थ्य, परिवार और आंतरिक शक्ति।

जीवन का सफ़र जन्म और मृत्यु के बीच है। हम खाली हाथ आते हैं और खाली हाथ चले जाते हैं। बीच में जो कुछ भी जुटाते हैं, वह अस्थायी बोझ है। असली मायने यह है कि हमने कैसा जीवन जिया। क्या हम ख़ुश थे? क्या हमने माफ़ किया? क्या हमने अनावश्यक बोझ छोड़ा? अगर हाँ, तो हमारी यात्रा सहज और शांतिपूर्ण रही। आइए, हम सब अपने–अपने तरीक़े से कम उठाने और ज़्यादा जीने का प्रयास करें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एआई का सतर्कतापूर्ण उपयोग किया जाए : खट्टर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर ने सोमवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के ''सतर्कतापूर्ण'' उपयोग का सुझाव देते हुए कहा कि इससे समाधान तो मिल सकता है, लेकिन इससे नुकसान भी हो सकता है।

वह वीर विट्ठलभाई पटेल के दिल्ली विधानसभा के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष बनने के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय ''ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेन्स'' के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपनाने के कई लाभ हैं, लेकिन मुख्य लक्ष्य शासन-प्रशासन के प्रति जनता में विश्वास पैदा करना है। प्रौद्योगिकी जहां कई समाधान प्रदान करती है, वहीं हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि इसे 'भस्मासुर' न बनने दें, जिससे यह हमारे लिए हानिकारक हो जाए।

खट्टर ने कहा कि जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ रही है, जोखिम भी बढ़ रहे हैं और साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती है।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल और उनके द्वारा शुरू की गई तकनीकी प्रगति का उदाहरण भी दिया, जैसे कि शासन में 'सीएम विंडो' प्रणाली, जिसके माध्यम से जनता अपनी शिकायतें दर्ज करा सकती है।

वर्तमान में केंद्रीय आवास मंत्री खट्टर ने कहा, 2014 में, मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मैं अपने आवास और सचिवालय के बाहर कागजात लिए लोगों की भीड़ देखता था। हम एक समाधान लेकर आए, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति इस ऑनलाइन विंडो प्रणाली के माध्यम से कागजात जमा कर सकता है और संबंधित विभागों द्वारा इसकी समीक्षा की जाएगी। प्राप्त 13 लाख आवेदनों में से 11.5 लाख का निपटारा कर दिया गया।

इस सत्र में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उपस्थित थे, जिन्होंने ऐतिहासिक दिल्ली विधानसभा परिसर में दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा उठाए गए प्रौद्योगिकी-संचालित कदमों की सराहना की।

सिंधिया ने दिल्ली विधानसभा को कागज रहित और पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित बनाने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही कह चुके हैं, भारत लोकतंत्र की जननी है। लोकतांत्रिक भारत की नींव इसी ऐतिहासिक परिसर में प्रथम अध्यक्ष वीर विट्ठलभाई पटेल ने रखी थी। हमारे पूर्वजों ने बहुत त्याग किया है। देश की समृद्धि और विकास की दिशा में आगे बढ़ना हमारी जिम्मेदारी है।

संबोधन

असम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्य प्रवक्ता किशोर उपाध्याय सोमवार को गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

लोकतंत्र और जाति व्यवस्था साथ नहीं चल सकतेः मीरा कुमार

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा में आयोजित 'ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेन्स' में कहा कि लोकतंत्र और जाति व्यवस्था एक साथ अस्तित्व में नहीं रह सकते।

सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य भाषण देते हुए लोकसभा की पहली महिला अध्यक्ष रह चुकी मीरा कुमार ने कहा कि जाति व्यवस्था समाज के साथ वही करती है जो 'अमरबेल' पेड़ के साथ करती है। उन्होंने कहा, समानता और असमानता एक साथ नहीं रह सकते। ऐसा हो सकता है कि असमानता, एक झूठे समानतावादी लोकतंत्र की बाहरी परत में लिपटी हुई हो, लेकिन इसके अंदर जाति व्यवस्था जीवित रहती है।

मीरा ने दोहराया कि लोकतंत्र और जाति व्यवस्था का सह-अस्तित्व संभव नहीं है। उन्होंने कहा, जैसे अमरबेल जिस पेड़ पर उगती है उसे सुखा देती है, वैसे ही जाति व्यवस्था समाज को कमजोर कर देती है और खुद फलती-फूलती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा समानता की स्थापना है, और यदि यह नहीं होगी तो लोकतंत्र निष्प्राण हो जाएगा। मीरा कुमार ने ब्रिटिश शासन के दौरान सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के लिए चुने गए पहले भारतीय नेता विट्ठलभाई पटेल के योगदान को रेखांकित किया और कहा कि लोकसभा की अध्यक्षता करते समय उनके संघर्ष और अनुभव से उन्हें प्रेरणा मिली।

नीरज घेवन की 'होमबाउंड' को मेलबर्न महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

नई दिल्ली/भाषा। फिल्मकार नीरज घेवन की फिल्म 'होमबाउंड' को भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न (आईएफएफएम) 2025 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार से नवाज़ा गया। यह फिल्म सबसे पहले कान फिल्म महोत्सव के ''अनसर्टेन रिगार्ड'' खंड में प्रदर्शित हुई थी और रविवार रात आईएफएफएम का समापन भी इसी फिल्म के साथ हुआ। धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह कहानी 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में प्रकाशित बशारत पीर के एक लेख पर आधारित है, जो कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान भारत में जन्मी एक त्रासद दोस्ती को दर्शाती है। घेवन की पहली फीचर फिल्म 'मसान' ने 2015 में व्यापक सराहना हासिल की थी। पुरस्कार मिलने पर घेवन ने कहा ''होमबाउंड' को मेलबर्न लाना और इन दोनों पुरस्कारों को जीतना बेहद खास है। इतनी विविधता से भरे लोगों के बीच रहना एक अविश्वसनीय अनुभव है। ऑस्ट्रेलिया सरकार और मंत्रियों को इस फिल्म महोत्सव के लिए इतना कुछ करते देखना वाकई अद्भुत है। मैंने दुनिया में कहीं और ऐसा समर्थन नहीं देखा।

आईएफएफएम की निदेशक मितु भौमिक लांगे ने कहा '''होमबाउंड' से आईएफएफएम 2025 का समापन करना हमारे लिए गर्व की बात थी। यह फिल्म वही सब दर्शाती है, जिसका जश्न हम इस महोत्सव में मनाते हैं निर्भीक कहानी कहने की शैली और ऐसी कहानियां जो व्यक्तिगत होते हुए भी सार्वभौमिक स्तर पर जुड़ती हैं।

'हमारा दिल आपके पास है' से ऐश्वर्या राय बच्चन ने लगभग किनारा कर लिया था : अनिल कपूर

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'हमारा दिल आपके पास है' के 25 साल पूरे होने पर बताया कि अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले फिल्म से पीछे हटने का फैसला कर लिया था, लेकिन एक भावनात्मक बातचीत के बाद वह फिर इससे जुड़ गईं।

यह फिल्म 24 अगस्त, 2000 को रिलीज़ हुई थी और इसका निर्देशन दिवंगत अभिनेता-फिल्मकार सतीश कौशिक ने किया था। अनिल कपूर ने फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरों का एक 'कोलाज' रविवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया और एक लंबा संदेश भी लिखा।

सतीश कौशिक को अपना ''प्रिय मित्र'' बताते हुए 68 वर्षीय अभिनेता ने लिखा ''जब मैं 'हमारा दिल आपके पास है' के 25 साल पूरे होने पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मेरे दिल में मेरे सबसे प्यारे दोस्त सतीश कौशिक की यादें ताजा हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने ऐश्वर्या का नाम इस फिल्म के लिए सुझाया था। उन्होंने कहा ''जब हम 'ताल' की शूटिंग कर रहे थे, तो ऐश्वर्या की अद्भुत प्रतिभा ने मुझे प्रभावित किया और मैंने उनका नाम सतीश जी को सुझाया। पहले कुछ हिचकिचाहट थी, लेकिन जैसे ही सतीश जी ने उन्हें सेट पर देखा, वे तुरंत मान गए। और फिर जो हुआ, वह इतिहास है। अनिल कपूर ने आगे लिखा कि ऐश्वर्या को कुछ आशंकाएं थीं, जिसके चलते उन्होंने शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले फिल्म छोड़ने का मन बना लिया था। उन्होंने कहा ''शूटिंग से ठीक पहले ऐश्वर्या को कुछ चिंताएं थीं और उन्होंने लगभग फिल्म छोड़ दी थी। तब सतीश और मैं उनके घर गए, एक भावुक बातचीत हुई, और सौभाग्य से उन्होंने फिल्म में बने रहने का फैसला किया। उन्होंने लिखा ''और मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने ऐसा किया, क्योंकि उनका प्रदर्शन शानदार था और फिल्म सुपरहिट साबित हुई।

मेरठ में 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म का पोस्टर जलाने पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ़ प्राथमिकी दर्ज

मेरठ/भाषा

मेरठ जिले की थाना लिसाड़ीगेट पुलिस ने राजस्थान के उदयपुर में वर्ष 2022 में नृशंस तरीके से मारे गए दर्जी कन्हैया लाल मामले पर बनी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' का पोस्टर जलाने और अन्य आपत्तिजनक व्यवहार करने के मामले में सोमवार को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में इस घटना का कथित तौर पर जिक्र है। यह कथित घटना थाना लिसाड़ीगेट क्षेत्र के इस्लामाबाद इलाके की है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाला जानबूझकर दुर्भावना पूर्ण कृत्य) के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अखिल भारतीय हिन्दू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। सिरोही ने अपनी शिकायत में कहा कि वीडियो में दिखा गया है कि 'उदयपुर फाइल्स' का पोस्टर जलाया गया और इसे जूतों से रौंदा गया, जिससे मृतक कन्हैयालाल और पूरे हिन्दू समाज का अपमान हुआ है।

सिरोही ने आरोप लगाया कि वह बीते 23 अगस्त को मेरठ के एक मॉल में हिन्दू समाज के लोगों को यह फिल्म दिखा रहे थे और तब से उन्हें सोशल मीडिया पर धमकियां मिल रही हैं। उल्लेखनीय है कि जून 2022 में उदयपुर के व्यस्त हाथीपोल इलाके में दर्जी कन्हैया लाल की उनकी दुकान में धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी गई थी। आरोपी इस बात से नाराज बताए जा रहे थे कि कन्हैया लाल ने सोशल मीडिया पर इस्लाम के खिलाफ एक पोस्ट का कथित तौर पर समर्थन किया था। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर के रख दिया था। इस मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रहा है। इस हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

फिल्म को कला रूप में देखा जाना चाहिएः 'द बंगाल फाइल्स' के अभिनेता सौरव दास

कोलकाता/भाषा

अभिनेता सौरव दास का मानना है कि सिनेमा को राजनीतिक या वैचारिक चश्मे से नहीं, बल्कि कला के तौर पर देखा जाना चाहिए। सौरव दास निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की आने वाली फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में गोपाल 'पाठा' की भूमिका निभा रहे हैं। 'द ताशकंद फाइल्स' (2019) और 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) के बाद यह फिल्म अग्निहोत्री की 'फाइल्स ट्राइलॉजी' की अंतिम कड़ी है। यह फिल्म कोलकाता में अगस्त 1946 में हुए सांप्रदायिक दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। करीब 204 मिनट की अवधि वाली यह फिल्म सबसे लंबी भारतीय फिल्मों में से एक है और पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। सौरव दास फिल्म में गोपाल मुखोपाध्याय की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक गोश्त विक्रेता थे। वह 1946 के दंगों के दौरान उपद्रवियों का प्रतिरोध करने के लिए लोगों को संगठित करने के लिए जाने जाते हैं। दास ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा, ''एक फिल्म को कला के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। दर्शक आज परिपक्व हैं। यदि उन्हें आपत्ति है तो आलोचना कर सकते हैं और यदि कहानी से जुड़ाव महसूस हो तो सराहना भी कर सकते हैं। उन्हें वह स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।''

क्या इस तरह की फिल्में पुराने घावों को फिर से कुरेदने का जोखिम पैदा करती हैं? इस सवाल पर उन्होंने असहमति जताई। उन्होंने कहा, ''क्या हम आजादी और विभाजन के बारे में नहीं जानते? तो फिर हमें यह भी जानना चाहिए कि उसकी पृष्ठभूमि क्या थी। इसका मतलब यह नहीं कि ऐसे हादसे दोबारा होंगे।

जो तथ्य हैं, उन्हें वैसे ही स्वीकार करना चाहिए।'' फिल्म में काम करने को लेकर हो रही आलोचना पर दास ने कहा कि किसी अभिनेता को उसकी निभाई गई भूमिकाओं के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। कोलकाता में पिछले सप्ताह फिल्म के टीजर को लेकर हुए विवाद पर उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि वह उस समय शहर में मौजूद नहीं थे। 'द बंगाल फाइल्स' में सौरव दास के साथ मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी, सास्वता चटर्जी, सिमरत कौर, नमाशी चक्रवर्ती और दिव्येंदु भट्टाचार्य जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अक्षय और सैफ की 18 साल बाद एक साथ पर्दे पर वापसी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली लगभग 18 सालों के बाद स्क्रीन पर एक साथ नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'हैवान' की शूटिंग शनिवार से शुरू हो गई है। अभिनेता अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर एक बीटीएस वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और सैफ और निर्देशक प्रियदर्शन के साथ बातचीत करते दिख रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर अक्षय ने इसे कैप्शन दिया, हम सब ही हैं, थोड़े से शैतान। कोई ऊपर से संत है और कोई अंदर से हैवान। आज से फिल्म 'हैवान' की शूटिंग शुरू कर रहा हूं, और वो भी अपने पसंदीदा डायरेक्टर प्रियदर्शन सर के साथ। लगभग 18 साल बाद सैफ के साथ काम करने का मौका मिला है। चलिए अब हैवानियत शुरू करते हैं!!

बता दें, सैफ और अक्षय आखिरी बार साल 2008 में फिल्म 'टशन' में एक साथ नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस में ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी। यश राज फिल्म्स बैनर तले इस फिल्म का निर्देशन विजय कृष्ण आचार्य ने किया था। इसमें सैफ और अक्षय के अलावा करीना कपूर खान और अनिल कपूर मुख्य भूमिका में थे।

अक्षय के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अपकमिंग फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' रिलीज होगी। मेकर्स ने इसका टीजर जारी कर दिया है, जिसमें अक्षय कुमार, अरशद वारसी के साथ ही सौरभ शुक्ला की भी कमाल की कॉमिक टाइमिंग नजर आ रही है। यह फिल्म 'जॉली एलएलबी' फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी है, जिसका निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है। यह 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण स्टार स्टूडियोज, कांगड़ा टॉकीज और केप ऑफ गुड फिल्म्स ने मिलकर किया है। सैफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही 'गो गोवा गॉन 2' और 'रेस-4' में नजर आएंगे। इससे पहले वह निर्देशक कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल की फिल्म 'ज्वेल थीफ: द हाइस्ट बिगिन्स' में नजर आए थे। फिल्म नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल को रिलीज हुई थी।

सुरभि चंदना का यूट्यूब चैनल हुआ हैक

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की मशहूर अदाकारा सुरभि चंदना इन दिनों अपने म्यूजिक प्रोजेक्ट 'फील गुड ओरिजनल्स' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में सुरभि ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उनका आधिकारिक यूट्यूब और जीमेल अकाउंट हैक हो गया है। इस घटना ने न केवल टीम को बल्कि उनके फैंस को भी एक बड़ा झटका दिया है। इस हैकिंग की वजह से उनका नया गाना 'फर्जी' अब तय समय पर रिलीज नहीं हो पाएगा। सुरभि ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनका ट्रैक 'फर्जी' पूरी तरह तैयार था और उसे अपने दर्शकों के साथ साझा करने की पूरी योजना थी। लेकिन जैसे ही अकाउंट हैक हुआ, उन्हें मजबूरन गाने की रिलीज को टालना पड़ा। उन्होंने बताया कि वो यूट्यूब इंडिया और गूगल इंडिया की मदद से अपने अकाउंट को वापस पाने की कोशिश कर रही हैं और उम्मीद है कि जल्द ही सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, जिंदगी ने हमें बीती रात एक अनचाहा विराम दे दिया। हमारा 'फील गुड ओरिजनल्स' का आधिकारिक अकाउंट जीमेल और यूट्यूब हैक हो गया और हमने इन तक अपनी पहुंच खो दी। हमारा नया गाना 'फर्जी' आपके सामने पेश किया जाना था, लेकिन किस्मत ने अभी कुछ और ही सोच रखा है।सुरभि ने आगे कहा कि हर विराम एक मजबूत वापसी की तैयारी होती है। उनका मानना है कि कोई तूफान इतना ताकतवर नहीं होता कि संगीत को खामोश कर दे और कोई भी रुकावट इतनी बड़ी नहीं होती जो एक सपने को रोक सके।

एक्शन और रोमांटिक फिल्में करना चाहते हैं प्रतीक गांधी

मुंबइ/एजेन्सी

बॉलीवुड में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर अभिनेता प्रतीक गांधी अगली बार एक एक्शन और एक रोमांटिक फिल्म में काम करने की उम्मीद लगाये बैठे हैं। प्रतीक ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में बताया, एक अभिनेता के रूप में मैंने लगातार अलग-अलग तरह की फिल्मों में काम किया है, जैसे कॉमेडी, 'अग्नि' जिसमें थोड़ा एक्शन था, जासूसी पर आधारित थ्रिलर और लगभग सभी (अन्य) तरह की श्रेणियों में। लेकिन मेरी पसंदीदा श्रेणी ड्रामा है, यह मुझे बहुत पसंद है और कॉमेडी भी। उन्होंने कहा, मैंने अब तक विशुद्ध एक्शन फिल्म नहीं की है, और मैं निश्चित रूप से एक अच्छी रोमांटिक फिल्म करना चाहूंगा। प्रतीक की हालिया वेब सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' का निर्देशन सुमित पुरोहित ने किया था, जबकि भावेश मंडालिया व गौरव शुक्ला ने इसकी कहानी लिखी थी। यह सीरीज 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद दो जासूसी एजेंसियों रॉ और आईएसआई के उदय को दर्शाती है। यह सीरिज नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हुई थी। बॉम्बे फैबल्स द्वारा निर्मित इस जासूसी-थ्रिलर सीरीज में सनी हिंदुजा, सुहैल नैयर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनूप सोनी भी हैं।

'एक चतुर नार' ट्रेलर के रिलीज डेट से दिव्या खोसला ने उठाया पर्दा

मुंबई/एजेन्सी

दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म 'एक चतुर नार' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्म का एक और पोस्टर रविवार को सोशल मीडिया पर जारी किया। साथ ही अपनी पोस्ट में फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का भी खुलासा किया, जिसने फैन्स की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। इसमें अभिनेता नील नितिन मुकेश और दिव्या खोसला आमने-सामने खड़े नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच एक टकराव की स्थिति दिखाई गई है। एक तरफ नील ने दिव्या के सिर पर पिस्तौल तानी हुई है, तो वहीं दिव्या के हाथ में मोबाइल फोन नजर आ रहा है। फोन की स्क्रीन पर बड़ा सा रुपये का चिन्ह नजर आ रहा है, जो इस ओर इशारा करता है कि फिल्म की कहानी में पैसे का लालच, चालाकी और शायद धोखाधड़ी जैसी चीजें शामिल होंगी। पोस्टर को देख अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में दोनों किरदारों के बीच नजदीकी और तनाव एक साथ देखने को मिलेगा।पोस्टर पर एक दिलचस्प टैगलाइन भी लिखी गई है, 'होशियारी शुरू'... इस टैगलाइन से साफ है कि फिल्म में दिमागी चालें, धोखे और अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिल सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह फिल्म कॉमेडी और थ्रिलर का मिश्रण होगी। पोस्टर का बैकग्राउंड लाल-नारंगी रंगों से भरा हुआ है, जो गहराई, ड्रामा और सस्पेंस का एहसास कराता है। पोस्टर के एक कोने में 500 के नोट की भी झलक है, जो फिल्म की थीम में पैसा और चालबाजी को स्पष्ट करता है।

दिव्या खोसला ने अपने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, कल, हर नजर रुकेगी... और रुकेगी सिर्फ चतुर पे! 'एक चतुर नार' ट्रेलर का प्रीमियर कल होगा। होशियारी शुरू 12 सितंबर से सिनेमाघरों में। फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला कर रहे हैं, जो पहले भी 'ओह माय गॉड' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। वहीं फिल्म के निर्माता आशीष वाघ और जीशान अहमद हैं। ट्रेलर का प्रीमियर टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर 25 अगस्त को सुबह 11 बजे होगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

भारत की 'सिलिकन सिटी' बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' ने वर्ष 2025 के लिए 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के विजेताओं की सोमवार को घोषणा की।

जैन जगत के दैदीप्यमान ज्योतिपुंज नक्षत्र थे प्रवर्तक अमरमुनि : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने पर्युषण पर्व के छठे दिन अंतगड सूत्र के माध्यम से अतिमुक्त कुमार के कथानक पर सारगर्भित प्रकाश डाला। जन्म के साथ मृत्यु निश्चित है, पर धर्म साधना, संयम, जप, तप आराधना करके साधक अपनी मृत्यु को भी महोत्सव बनाया जा सकता है।संसार में संयम ही सार है बाकी सब असार है। सब यही रह जाने वाला है। जो साधक धर्म साधना आराधना कर लेते हैं वह इस दुर्लभ मानव जीवन को सफल बना लेते हैं।ङ्गउन्होंने श्रुताचार्य साहित्य सम्राट वाणीभूषण प्रवर्तक श्री अमरमुनि जी महाराज के महान संयमी जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर भारतीय प्रवर्तकश्री अमर मुनि जी महाराज श्रमण संघ के एक दैदीप्यमान ज्योतिपुंज नक्षत्र थे। बालक अमर ने बचपन में भारत पाकिस्तान को विभाजित होते देखा। आचार्य श्री आत्माराम जी महाराज की शरण में आकर उनसे प्रभावित होकर सन 1951 को भादवा सुदी पंचमी के दिन सोनीपत मण्डी हरियाणा में जैन मुनि दीक्षा ग्रहण की। वे राष्ट्रसंत उत्तर भारतीय प्रवर्तक भण्डारी श्री पदमचंद जी म सा के सुशिष्य बने। उन्होंने अपने संयम ग्रहण के साथ ही गंभीर तल स्पर्शी ज्ञानाभ्यास और ध्यानाभ्यास के क्षेत्र में अहर्निश आगे बढ़ते हुए एक अनुशासनप्रिय सुविनीत शिष्य के रूप में ख्याति प्राप्त की। वर्तमान में अमरमुनिजी महाराज द्वारा सम्पादित सचित्र जैन आगम श्रृंखला को प्राकृत, हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में सचित्र आगम प्रकाशन कार्य को आगे बढ़ाने में शिष्य डॉ श्री वरुण मुनि जी समर्पित भाव से संकल्परत है। जनमानस उन्हें वाणी के जादूगर के रूप में सम्मानित करता था। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने अंतगड सूत्र का वाचन किया। उप प्रवर्तकश्री पंकजमुनि जी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया।

भौतिक कामना से रहित तप आत्मकल्याण का सुनहरा अवसर : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के छठवें दिन आचार्यश्री ने कहा कि जैन धर्म के इस त्योहार को पर्वों का राजा कहा जाता है। जैन धर्मावलंबियों के लिए यह त्योहार काफी महत्व रखता है। भगवान महावीर स्वामी के मूल सिद्धांत अहिंसा परमो धर्म, जीयो और जीने दो की राह पर चलना सिखाता है और मोक्ष प्राप्ति के द्वार खोलता है।

कल्पसूत्र वांचना के दौरान प्रभु महावीर स्वामी के जीवन चरित्र के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जिस तरह प्रभु महावीर ने अपने जीवन में त्याग, तपस्या, समता रखी और अपने जीवन में आए सभी उपसर्गो (कष्टों) को नम्रतापूर्वक सहन किया, ठीक उसी तरह हमें भी प्रभु महावीर स्वामी के पदचिन्हों पर चलकर अपने जीवन में त्याग, तपस्या करनी चाहिए और जीवन में आई सभी मुसीबतों का सामना दृढ निश्चयी होकर करना चाहिए।ङ्ग आचार्यश्री ने कहा कि भगवान ने कर्म निर्जरा के अनेक उपाय बताए हैं। उनमें से तप एक उत्तम उपाय है।

जैसे जमीन, पानी, वायु की अनुकूलता होने पर वनस्पति लहलहा उठती है, वैसे ही चातुर्मास के दिनों में प्राकृतिक वातावरण भी अनुकूल होता है। गुरु भगवंतों के सान्निध्य से हमें तपस्या करने की प्रेरणा मिलती है। भौतिक कामना से रहित तप आत्म कल्याण की सुनहरी आभा बिखेर सकता है। आचार्यश्री की निश्रा में हर्षित दांतेवाड़िया एवं ममता छाजेड़ ने मासखमण तप का पच्छखाण लिया। संघ की ओर से दोनों तपस्वियों का सम्मान किया गया। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति थी।

'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' आदिवासी लेखिका जसिन्ता केरकेट्टा को और 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' प्रो. प्रभाशंकर प्रेमी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जसिन्ता केरकेट्टा

प्रभाशंकर प्रेमी

बेंगलूरु। भारत की 'सिलिकन सिटी' बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' ने वर्ष 2025 के लिए 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के विजेताओं की सोमवार को घोषणा की। एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' हिंदी की मूर्धन्य कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा को उनके कविता संग्रह 'प्रेम में पेड़ होना' के लिए प्रदान किया जाएगा। पच्चीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' शिक्षाविद प्रोफेसर प्रभाशंकर प्रेमी को कर्नाटक में उच्च एवं प्रौढ़ शिक्षा में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय अवदान के लिए दिया जाएगा। यह घोषणा करते हुए 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों पुरस्कार विजेताओं को आगामी 28 दिसंबर, 2025 को बेंगलूरु में आयोजित एक सारस्वत समारोह में पुरस्कार राशि के साथ पारंपरिक मैसूर पेटा, स्मृति चिह्न, श्रीफल और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार इन पुरस्कारों का निर्णय हिंदी भाषा और साहित्य के सर्जक विद्वानों की पाँच सदस्यीय मूल्यांकन समिति की संस्तुति के आधार पर निर्णायक मंडल ने सर्वसम्मति से किया। निर्णय में पुरस्कार विजेताओं की कृतियों के पारदर्शी मूल्यांकन के साथ-साथ उनके अब तक के सर्जनात्मक अवदान को भी आधार बनाया गया। निर्णायक मंडल ने 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' के लिए अपनी संस्तुति में कहा है कि आदिवासी समाज के जीवन और संघर्ष को कविता में मुखरित कर सभ्य समाज का ध्यानाकर्षण करने में कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा ने उल्लेखनीय कार्य किया है। उनकी कविता प्रेम के वैभव की अभिव्यक्ति है। इस कविता में आदिवासी समाज की यातना एवं मनुष्य के अनियंत्रित दोहन से बंजर होती धरती की आकुल पुकार है तथा वैयक्तिक प्रेम की विरलता असाधारण है। ऐसे ही 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' की संस्तुति में निर्णायक मंडल ने कहा है कि बेंगलूरु एवं कर्नाटक में हिंदी तथा कन्नड़ के बीच समन्वय एवं सौहार्द का विकास एवं प्रसार को निर्बाध बनाने तथा उत्तर-दक्षिण के बीच आपसदारी के भाव को मजबूत करने में प्रो प्रभाशंकर प्रेमी के अमूल्य अवदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने 'बसव मार्ग' पत्रिका के सम्पादन के माध्यम से नागरिक जीवन में सदाचार एवं आडंबरमुक्त जीवन शैली को बढ़ावा देने में समर्पित भाव से प्रशंसनीय कार्य किया है।

'शब्द' के अध्यक्ष डॉ समीर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' बेंगलूरु के प्रसिद्ध समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से दिया जाता है। इसी तरह 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूरु और चेन्नई से प्रकाशित प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र समूह 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से प्रदान किया जाता है । विज्ञप्ति के अनुसार उक्त पुरस्कारों के लिए कुल 35 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं । इन पर समग्रता में विचार करते हुए बाबूलाल गुप्ता, श्रीकांत पाराशर, नलिनी पोपट, डॉ उषारानी राव तथा डॉ श्रीनारायण समीर के निर्णायक मंडल ने सर्व सम्मति से पुरस्कार विजेताओं के नामों का चयन किया ।

सभी दु:खों की जड़ पाप ही है : साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के छठे दिन कहा कि थोड़ा सा समय शेष है, उसे और विशेष बनाना है। सभी दु:खों की जड़ पाप ही है, अत: पाप की कमाई मत करो।

हमारे बुजुर्ग चींटी को मारते हुए भी डरते थे। पाप के डर से प्राय: पाप का संग्रह हो जाता है, जैसे-गिरने के लिए मात्र एक सीढ़ी से भी फिसलना काफी होता है। जबकि ऊपर चढ़ने के लिए हर सीढ़ी (स्टेप) पर कदम रखते हुए सजगता होनी जरुरी है। भगवान महावीर का जन्म कल्याणक कल्पसूत्र के माध्यम से महासतिजी ने कहा कि जिन्होंने विश्वशांति का संदेश दिया, सुख-समाधान एवं आनंद की अनुभूति के लिए अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांत रूप से उपाय बतलाए हैं वे परम उपकारी हैं। हमें आत्मकल्याणकारी धर्म प्रदान किया और उनका शासन भी हमें प्राप्त हुआ है। क्षमा को धारण करना है निष्पाप पवित्र, निर्मल जीवन ही वास्तविक व सच्चा जीवन है। पाप करना तो आसान है, किंतु कृत पापों का फल भुगतना मुश्किल। साध्वीअणिमाश्री ने अंतगड सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि सच्चे जैनी वे ही कहलाते हैं जो वर्ष भर में हुए अपराधों की सरलता के साथ सामने वालो से क्षमा मांगते हैं और क्षमा प्रदान भी करते हैं। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि प्रवचन में मरुदेवी महिला मंडल द्वारा महावीर स्वामी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 14 स्वप्न का नाटकीय रूपांतर प्रस्तुत किया गया।

वृद्धाश्रम में नि:शुल्क जेरियाट्रिक मेडिकल वेलनेस शिविर आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्याम निस्वार्थ परिवार ने रविवार को बन्नरघट्टा रोड स्थित मूकाम्बिका देवी मंदिर में स्थित आर्यजन सेवा ट्रस्ट वृद्धाश्रम के लिए नि:शुल्क जेरियाट्रिक मेडिकल वेलनेस शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में वृद्धाश्रम के कई बुजुर्गों ने अपने पूर्ण स्वास्थ्य की जांच कराई, चिकित्सकीय परामर्श लिया तथा योग सत्र और संगीत चिकित्सा जैसी सेवाएँ में भाग लिया। आयोजकों ने कहा कि हमारा प्रयास था कि उन बुजुर्गों तक देखभाल और सम्मान पहुँचे जिन्हें अक्सर समाज भूल जाता है। उनके चेहरों पर लौटती मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। शिविर के अंत में श्याम निस्वार्थ परिवार की तरफ से हर्षवर्धन शर्मा ने धन्यवाद दिया।

पुरातत्व की ष्टि से हस्तलिखित सचित्र कल्पसूत्र है बहुमूल्य : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को पर्युषण महापर्व के छठे दिन विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि कल्पसूत्र में चौबीसवें तीर्थंकर महावीरस्वामी का विस्तार से जीवनचरित्र है। इसके अलावा पहले तीर्थंकर आदिनाथ, बाइसवें तीर्थंकर नेमिनाथ और तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का संक्षिप्त जीवनचरित्र है। जैन श्रमण परंपरा का संक्षिप्त इतिहास और साधु-साध्वियों के आचार-विचार की जानकारी भी कल्पसूत्र का रोचक विषय है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि पर्युषण महापर्व से संबंधित होने के कारण कल्पसूत्र नामक धर्मशास्त्र जैन परंपरा का सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण ग्रंथ है। जैनधर्म के प्राचीनतम शास्त्रों को आगम कहा जाता है। प्राचीन काल में 84 से अधिक आगम शास्त्र थे। आज उनमें से मात्र 45 आगम शास्त्र मौजूद हैं। इनकी कुल श्लोक संख्या एक लाख पच्चीस हजार हैं। प्राकृत की अर्धमागधी भाषा में रचित जैन परंपरा की इस विपुल आगमिक साहित्य संपदा में कल्पसूत्र भी एक आगम शास्त्र है। ङ्गआचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने बताया कि भगवान महावीरस्वामी के निर्माण के 980 वर्ष बाद गुजरात स्थित पालीताणा महातीर्थ की तलहटी वलभीपुर नगर में कल्पसूत्र को पहली बार लिपिबद्ध किया गया था। उस समय निरंतर तेरह वर्षों तक चले अद्भुत ज्ञानयज्ञ में एक करोड़ जैन धर्मग्रंथों को तैयार किया गया। यह ऐतिसाहिक कार्य आचार्य देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण के नेतृत्व में तत्कालीन 500 जैनाचार्यों ने संपन्न किया था। इससे पहले जैन परंपरा का कोई भी आगम शास्त्र लिपिबद्ध नहीं किए गए थे। उन्हें सिर्फ कंठस्थ रखने की ही विरल परंपरा थी। आज से पंद्रह सौ वर्ष पूर्व लिपिबद्ध होने के तेरह वर्षों बाद जैनाचार्य कालकसूरीश्वर ने गुजरात के वड़नगर में राजा ध्रुवसेन की राजसभा में पहली बार कल्पसूत्र का पठन किया था। इसके बाद जैन समाज में प्रतिवर्ष कल्पसूत्र धर्मग्रंथ का पर्युषण महापर्व के दौरान पूजन, पठन और श्रवण किया जाता है। वर्तमान में देश-विदेश में 45000 (पैंतालीस हजार) से अधिक स्थानों पर कल्पसूत्र के आधार पर पर्युषण महापर्व मनाया जा रहा है।ङ्गङ्गजैनधर्म की श्वेतांबर मूर्तिपूजक परंपरा के सभी पंथों में कल्पसूत्र ही पर्युषण महापर्व का मूल आधार है। जितना ऐतिहासिक साहित्यिक कार्य कल्पसूत्र पर हुआ है, शायद उतना किसी भी जैनग्रंथ पर नहीं हुआ है। आज भी कल्पसूत्र की सैकड़ों की संख्या में प्राचीन हस्तलिखित प्रतियां विविध ज्ञानभंडारों में सुरक्षित हैं। इनमें सोने और चांदी की स्याही से लिखे हुए सचित्र कल्पसूत्र पुरातत्व की दृष्टि से बहुमूल्य हैं। गुजरात के पाटण, खंभात, कोबा, अहमदाबाद, सूरत, बड़ौदा और डभोई के ज्ञानभंडारों के अलावा जैसलमेर, दिल्ली तथा श्रीलंका, पाकिस्तान, तिब्बत, नेपाल, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, पुर्तगाल, फ्रांस और जर्मनी की सेंट्रल लाइब्रेरियों में जैनधर्म के कल्पसूत्र की प्राचीन हस्तलिखित प्रतियां पायीं जाती हैं। पुरातत्व विभाग के अनुसार इनमें से कुछ का मूल्य करोड़ों में आंका गया है।

परमात्मा महावीर का जन्म वांचन और स्वप्न दर्शन धूमधाम से सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में परमात्मा महावीर का जन्म वांचन और स्वप्न दर्शन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। चातुर्मास हेतु विराजित मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में अनेक उप नगरों से आए श्रद्धालुओं ने त्रिशला माता द्वारा देखे गए चौदह महास्वप्नों को निहारा और गुरुदेव के मुखारविंद से वीर प्रभु का जन्म वांचन सुना। कार्यक्रम की शुरुआत में परमात्मा और गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण संघवी विजयराज हंसराज डोसी परिवार, दीप प्रज्वलन विजयराज गौतम कुमार लोढ़ा परिवार ने किया। ङ्गगुरुवर ने परमात्मा महावीर का जीवन चारित्र वर्धमान से महावीर बनने की अवस्थानुसार सकल संघ को कल्पसूत्र के माध्यम से सुनाया। सकल संघ ने कल्पसूत्र में वर्णित परमात्मा महावीर के जन्म वांचन और स्वप्न दर्शन की खुशियां बांटी। उन्होंने कहा कि अगर महावीर नहीं होते तो जिन शासन का नामोनिशान नहीं होता। भगवान ने उनके केवल ज्ञान के आलोक में भव्य जीवों को धर्म देशना दी। परमात्मा के जन्म के समय नारकी जीवों को भी कुछ समय के लिए शांति मिलती है। प्रवचन के पश्चात वीर प्रभु का पालना मुकुल कुमार, सुशीलकुमार भण्डारी परिवार अपने निवास पर लेकर गए। जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा, संगीत मंडल एवं महिला संगीत मंडल ने परमात्मा की भक्ति प्रस्तुत की।

जीणमाता भजन संध्या में बही भक्ति रस की बयार

फूलों की होली व संगीतमय मंगलपाठ में झूमे भक्तगण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विजयनगर स्थित बसवेश्वर सुगनाना कल्याण मंडप में रविवार को 'श्री जीण माँ के दीवाने' संस्था द्वारा जीण माता का द्वितीय वार्षिकोत्सव मनाया गया। दोपहर 3 बजे से जीण भक्तों के साथ संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल, नवरंगलाल सुल्तानिया, मनालाल भामा, बिपिन अग्रवाल, राजेन्द्र नतानी ने जीण माता मन्दिर के पुजारी रामशंकर तिवारी के सान्निध्य में विधिवत पूजन किया और अखंड ज्योत प्रज्वलित कर भक्ति कार्यक्रम की शुरुआत की। जयपुर से आए गायक रविश सोनी, सोनम सोनी व गुलशन सोनी ने भगवान गणेश की आराधना की। साथ ही हनुमान व पितर जी महाराज के भजनों के साथ जीण माँ का संगीतमय मंगलपाठ का वाचन किया। कोलकाता के नृत्य कलाकारों ने जीण माता के चरित्र पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की और साथ ही राधा-कृष्ण की रास लीला, बरसाने की फूलों की होली खेली। कोलकाता के कारीगरों द्वारा राजस्थानी महल के भांति माँ जीण का सुंदर दरबार सजाया गया। भक्तों ने कतारबद्ध होकर जीण दरबार के दर्शन कर अखंड ज्योत में आहूति दी। संस्था की ओर से सभी गायकों व कलाकारों का सम्मान किया गया। ङ्ग इस मौके पर श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झँवर, दादी धाम प्रचार समिति के शिवकुमार टेकड़ीवाल, श्याम सखा परिवार के बिमल सुरोलिया, गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया, चेन्नई महिला समिति व हैदराबाद समिति सहित बड़ी संख्या में विभिन्न स्थानीय सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के सदस्यों ने दरबार में उपस्थित होकर हाजरी लगाई। मंच का संचालन विमलेश जोशी ने किया। नंदकिशोर चौधरी ने सभी भक्तों का आभार प्रकट किया।

मायुम बेंगलूरु ने 'शिक्षा सबके लिए' के तहत बांटे 1100 स्कूली बैग

दूसरे चरण में 30 अगस्त को बांटे जाएंगे शेष हजार बैग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के सदस्यों ने अपने सतत अभियान 'शिक्षा सबके लिए' को आगे बढ़ाते हुए इसी क्रम में इस बार 2100 स्कूल बैग वितरित करने का बीड़ा उठाया है। पहले चरण में शनिवार को अरसीकेरे क्षेत्र के विभिन्न सरकारी स्कूलों में 1100 बच्चों को बैग वितरित किए। इस अभियान को संभव बनाने में एवनप्लास्ट ग्रुप के सुनील बजाज का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 2100 बैग दान किए।

आयोजन की जिम्मेदारी संयोजक अंकित मोदी, स्नेह जाजू, पुनीत राठी एवं आशु मित्तल ने निभाई।

शनिवार को बोम्मासंद्रा स्थित एवनप्लास्ट इंडस्ट्रीज से शिक्षा कार रैली को हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वप्ना सुरेश और भाजपा नेता पी. सी. जॉर्ज के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल पुलिस की अपराध शाखा ने राजनयिक बैग में सोने की तस्करी करने की मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पी.सी. जॉर्ज के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है।

इन दोनों पर आरोप हैं कि इन्होंने 2022 में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ आरोप लगाकर हिंसा भड़काने की साजिश रची थी।

अपराध शाखा के अधिकारियों के अनुसार, स्वप्ना और जॉर्ज के खिलाफ पिछले हफ्ते तिरुवनंतपुरम में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप-पत्र दायर किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि यह मामला सबसे पहले जून 2022 में तिरुवनंतपुरम छावनी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था।

अधिकारी के अनुसार, यह मामला तब दर्ज किया गया था, जब स्वप्ना ने 2020 की सोने की तस्करी की घटना में मुख्यमंत्री की संलिप्तता के आरोप लगाए थे, जिसके बाद थवनूर के विधायक के.टी. जलील ने शिकायत दर्ज कराई थी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com